करेंट अफेयर्स

उत्तर प्रदेश

(संग्रह)

अप्रैल 2025

Drishti, 641, First Floor,
Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009
Inquiry: +91-87501-87501
Email: care@groupdrishti.in

अनुक्रम

उत्तर प्रदेश **4**

- एग्रीवोल्टेइक परियोजना 4
- उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन में 10 गुना वृद्धि 5
- टेककृति 2025 7
- अहेतुल्ला लॉन्गिरोस्ट्रिस साँप 8
- भारत-नेपाल साहित्य महोत्सव 10
- राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप 12
- बलिया में कच्चे तेल की खोज 12
- मथुरा हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना 14
- इथेनॉल उत्पादन में उत्तर प्रदेश प्रथम राज्य बना 15
- सारनाथ मूर्तिकला शैली 18
- उत्तर प्रदेश में बाल मृत्यु दर 20
- अनंत नगर आवास योजना 21
- भारत रत्न पंडित रविशंकर जयंती 22
- उत्तर प्रदेश अग्निशमन विभाग गोवा सरकार से सम्मानित 24
- उत्तर प्रदेश का पहला बायो-सीएनजी प्लांट 24
- उत्तर प्रदेश में महिलाओं द्वारा संचालित सौर ऊर्जा दुकानें 25
- गरीबी उन्मूलन लक्ष्य 26
- ओडीओपी 2.0 नीति 27
- यूपी पुलिस पोर्टल को मिला स्कॉच पुरस्कार 29
- फल विकास और पादप हार्मोन 30
- वाराणसी में विकास परियोजनाएँ 30

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ➢ रोहिन बैराज 32
- ➢ सिस्टम फार प्रिर्वेटिंग थेफ्ट आफ व्हीकल 33
- ➢ इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2025 34
- ➢ जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम 34
- ➢ शहनाई को GI टैग मिला 35
- ➢ उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक फैक्ट्री पंजीकरण दर्ज 37
- ➢ पीएम कुसुम योजना में उत्तर प्रदेश अग्रणी 38
- ➢ कथक नृत्यांगना कुमुदिनी लाखिया का निधन 40
- ➢ खाद्य उद्योग उन्नयन योजना 41
- ➢ मैकग्रेगर मेमोरियल मेडल 42
- ➢ जीआई टैगिंग में उत्तर प्रदेश प्रथम 43
- ➢ एक केजीबीवी, एक खेल’ योजना 44
- ➢ लड़ाकू विमान राफेल और मिराज 46
- ➢ 15वीं हॉकी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025 47
- ➢ पीएम सूर्य घर योजना 49
- ➢ NSE और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर 50
- ➢ नागरिक विवादों का अपराधीकरण 51
- ➢ लखनऊ में सांसद खेल महाकुंभ 52
- ➢ रेशम सखी योजना 53
- ➢ फोरेंसिक हैकाथॉन 2025 में IIT BHU को शीर्ष सम्मान प्राप्त 55
- ➢ BBAU को बायो-प्लास्टिक के उत्पादन के लिय पेटेंट मिला 57
- ➢ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना 58
- ➢ उत्तर प्रदेश में इको-पर्यटन 58
- ➢ कान्हा गौशाला 60
- ➢ ताजमहल संरक्षण प्रयास 61
- ➢ हरित नगर निगम बॉण्ड 62
- ➢ उत्तर प्रदेश चमड़ा और फुटवियर नीति-2025 63
- ➢ भारत-नेपाल सीमा पर अतिक्रमण 64

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 ➢ SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस ➢ SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स ➢ SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप ➢ SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश

एग्रीवोल्टेइक परियोजना

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश '**एग्रीवोल्टेइक' परियोजना** को अपनाने वाला भारत का पहला राज्य बन गया है।

मुख्य बिंदु

- **एग्रीवोल्टेइक प्रणाली**
  - एग्रीवोल्टाइक प्रणाली, जिसे कृषि-वोल्टीय प्रणाली या "सौर-खेती" भी कहा जाता है, एक नई तकनीक है जिसमें किसान अपनी फसलों के उत्पादन के साथ-साथ बिजली का उत्पादन भी कर सकते हैं।
  - इस प्रणाली में फोटो-वोल्टाइक (PV) तकनीक का उपयोग करके कृषि योग्य भूमि पर सौर पैनल स्थापित किये जाते हैं।
  - यह तकनीक पहली बार वर्ष 1981 में **एडॉल्फ गोएट्ज़बर्गर** और **आर्मिन ज़ास्ट्रो** द्वारा पेश की गई थी। 2004 में जापान में इसका प्रोटोटाइप विकसित किया गया और कई परीक्षणों के बाद 2022 में पूर्वी अफ्रीका में इसे लागू किया गया।
  - वर्तमान में भारत, अमेरिका, फ्राँस, ब्रिटेन और जर्मनी जैसे देशों में इसका सफलतापूर्वक उपयोग किया जा रहा है।
    - हालांकि, भारत में यह तकनीक अभी अपने प्रारंभिक चरण में है।
- **लाभ**
  - बढ़ती ऊर्जा की मांग और खाद्य सुरक्षा की समस्याओं का समाधान।
  - सौर पैनल से फसलों की वाष्पन दर कम और जल का बेहतर उपयोग।
  - सौर पैनल से फसलों को उच्च तापमान और UV किरणों से सुरक्षा।
  - सौर ऊर्जा से बिजली की लागत में कमी और किसानों की आय में वृद्धि।
  - बारिश का पानी सौर पैनल से एकत्र और सिंचाई के लिये उपयोग।
- **चुनौतियाँ**
  - यह एक भूमि-आधारित प्रणाली है, जिसमें प्रति मेगावाट उत्पादन के लिये लगभग दो हेक्टेयर ज़मीन की आवश्यकता होती है।
  - बरसाती मौसम में जब आकाश में बादल होते हैं, तब यह प्रणाली उतनी प्रभावी नहीं रहती है और किसानों को **वैकल्पिक ऊर्जा स्रोतों** पर निर्भर रहना पड़ता है।
  - सौर पैनल से उत्पन्न छाया कभी-कभी पौधों में पीड़क का कारण बन सकती है, जिससे फसलों पर ध्यान देने की आवश्यकता होती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **एडीबी से अनुदान:**
  - वित्त मंत्रालय के आर्थिक मामलों के विभाग ने "उत्तर प्रदेश में एग्रीवोल्टेइक परियोजनाओं का प्रदर्शन" शीर्षक वाले राज्य सरकार के तकनीकी सहायता प्रस्ताव को मंजूरी दी है।
  - इसके तहत एशियाई विकास बैंक (ADB) से 0.50 मिलियन अमेरिकी डॉलर (लगभग ₹4.15 करोड़) की तकनीकी सहायता स्वीकृत हुई है।
  - उत्तर प्रदेश देश का पहला राज्य बन गया है, जिसे ADB से इस प्रकार की आर्थिक सहायता मिली है।
- **महत्त्व**
  - इस परियोजना के तहत एक ही ज़मीन पर कृषि उत्पादन के साथ सौर ऊर्जा का भी उत्पादन होता है।
  - इससे किसानों को अतिरिक्त आय मिलेगी, ऊर्जा उत्पादन बढ़ेगा और सतत् विकास को बढ़ावा मिलेगा।
  - यह पहल स्वच्छ ऊर्जा उत्पादन, पर्यावरण संरक्षण और सतत् विकास लक्ष्यों (SDGs) की दिशा में महत्त्वपूर्ण कदम है।

एशियाई विकास बैंक क्या है?

- **परिचय:** ADB एक क्षेत्रीय विकास बैंक है जिसकी स्थापना वर्ष 1966 में एशिया और प्रशांत क्षेत्र में सामाजिक एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से की गई थी।
  - ADB सामाजिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिये **ऋण, तकनीकी सहायता, अनुदान एवं इक्विटी निवेश** प्रदान करके अपने सदस्यों तथा भागीदारों की सहायता करता है।
- **मुख्यालय:** मनीला, फिलीपींस
- **सदस्य:** वर्तमान में इसके 68 सदस्य हैं जिनमें से 49 एशिया एवं प्रशांत क्षेत्र के भीतर और 19 अन्य क्षेत्रों से हैं।
- **ADB और भारत:** भारत ADB का **संस्थापक** सदस्य और बैंक का **चौथा सबसे बड़ा शेयरधारक** है।
  - **ADB की रणनीति** 2030 और **देश की साझेदारी रणनीति,** 2023-2027 के अनुरूप मज़बूत, जलवायु लचीले एवं समावेशी विकास के लिये भारत की प्राथमिकताओं का समर्थन करता है।

उत्तर प्रदेश में सौर ऊर्जा उत्पादन में 10 गुना वृद्धि

चर्चा में क्यों?

हाल ही में उत्तर प्रदेश सरकार ने घोषणा की कि पिछले 8 वर्षों में राज्य में सौर ऊर्जा उत्पादन में 10 गुना वृद्धि हुई है।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - उत्तर प्रदेश **नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA)** ने वर्तमान सरकार के 8 वर्ष पूरे होने के अवसर पर यह जानकारी दी।
  - वर्ष 2017 में राज्य में सौर ऊर्जा की कुल स्थापित क्षमता **288 मेगावाट** थी, जो 2025 में बढ़कर **2653 मेगावाट** हो गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उत्तर प्रदेश के सौर ऊर्जा के क्षेत्र में प्रयास:**
  - **सौर ऊर्जा नीति – 2022:**
    - 5 वर्षों में 22 हजार मेगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य।
    - यह नीति भविष्य में जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम करने के उद्देश्य से बनाई गई है।
  - **बुंदेलखंड में सौर ऊर्जा पार्क:**
    - बुंदेलखंड क्षेत्र में 4,000 मेगावाट क्षमता का सौर पार्क विकसित किया जा रहा है।
    - चित्रकूट, बाँदा और अन्य क्षेत्रों में 800 मेगावाट की सौर परियोजनाओं का विकास।
  - **रूफटॉप और फ्लोटिंग सोलर प्लांट:**
    - **508 मेगावाट सोलर रूफटॉप** परियोजनाएँ घरों की छतों पर स्थापित की जा चुकी हैं।
    - उत्तर प्रदेश सरकार और केंद्र सरकार द्वारा इस योजना के तहत प्रदेशवासियों को सब्सिडी प्रदान की जा रही है।
    - सोलर रूफटॉप इंस्टालेशन में गुजरात और महाराष्ट्र के बाद उत्तर प्रदेश **तीसरे स्थान पर** है।
    - **औरया के दिबियापुर में प्रदेश का पहला फ्लोटिंग सोलर प्लांट** लगाया गया है और ललितपुर में 1 गीगावॉट क्षमता का फ्लोटिंग सोलर प्लांट स्थापित किया जा रहा है।

सौर ऊर्जा के बारे में

- सौर ऊर्जा, जिसे सूर्य से प्राप्त ऊर्जा के रूप में जाना जाता है, एक स्वच्छ और **अक्षय ऊर्जा** स्रोत है। यह सौर प्रौद्योगिकी के माध्यम से उपयोग की जाती है, जो मुख्य रूप से दो प्रकार की होती है:
  - **सौर तापीय:** इसमें सूर्य की ऊष्मा का उपयोग पानी को गर्म करने के लिये किया जाता है।
  - **सौर फोटोवोल्टिक (पीवी):** इसमें सूर्य की किरणों को विद्युत ऊर्जा में बदलने के लिये फोटोवोल्टिक प्रभाव का उपयोग किया जाता है।
- **सौर ऊर्जा का उपयोग:**
  - सौर प्रौद्योगिकियाँ मापनीय और लचीली होती हैं, जो पूरे शहर को सौर फार्मों के माध्यम से बिजली प्रदान कर सकती हैं।
  - विकेंद्रीकृत प्रणालियों के द्वारा दूरदराज़ क्षेत्रों में भी बिजली की आपूर्ति की जा सकती है।
  - छतों पर सौर पैनल लगाकर घरों और वाणिज्यिक भवनों को ऊर्जा प्रदान की जा सकती है।
    - **उदाहरण:** कोचीन अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा एक ऐसा उदाहरण है जहाँ सौर ऊर्जा का प्रभावी उपयोग किया जा रहा है।
- **सौर ऊर्जा के महत्त्व:**
  - **जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता** में कमी।
  - **कार्बन उत्सर्जन** को कम करना।
  - वायु गुणवत्ता में सुधार।
  - **ऊर्जा तक पहुँच और सुरक्षा** को बढ़ावा देना।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण

- उत्तर प्रदेश सरकार ने अप्रैल 1983 में वैकल्पिक ऊर्जा विकास संस्थान की स्थापना की थी, जो एक स्वायत्तशासी संस्था के रूप में कार्यरत था।
- बाद में इस संस्था का नाम बदलकर **उत्तर प्रदेश नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विकास अभिकरण (UPNEDA)** रखा गया।
- यह अभिकरण प्रदेश में विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन के लिये **स्टेट नोडल एजेंसी** के रूप में भी कार्य करता है।

टेककृति 2025

चर्चा में क्यों?

27 से 30 मार्च, 2025 तक उत्तर प्रदेश के कानपुर में एशिया के सबसे बड़े अंतर-महाविद्यालय तकनीकी और उद्यमिता **महोत्सव 'टेककृति'** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **संबोधन और थीम:**
  - **इस उत्सव का** उद्घाटन CDS **जनरल अनिल चौहान** द्वारा किया गया।
  - उन्होंने भारतीय सशस्त्र बलों की उन्नति और आधुनिकीकरण की आवश्यकता पर प्रकाश डाला तथा भविष्य के युद्धों की चुनौती के रूप में साइबर, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI), क्वांटम टेक्नोलॉजी और संज्ञानात्मक क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया।
  - इस वर्ष के महोत्सव का विषय था **"पंता रेई"** (सब कुछ प्रवाहित होता है)।
- **रक्षककृति: रक्षा एक्सपो**
  - एक विशेष रक्षा प्रदर्शनी आयोजित की गई, जिसमें भविष्य की सैन्य तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।
  - इस प्रदर्शनी में AI-आधारित युद्ध प्रणालियाँ, स्वायत्त ड्रोन और स्वदेशी रक्षा नवाचारों को प्रस्तुत किया गया।
  - 'आत्मनिर्भर भारत' की दिशा में कदम बढ़ाने और विदेशी रक्षा निर्भरता को कम करने के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को पुनः उजागर किया गया।
- **टेककृति महोत्सव**
  - यह **भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान** (IIT) कानपुर का वार्षिक तकनीकी और उद्यमशीलता महोत्सव है, जिसकी शुरुआत वर्ष 1995 में हुई थी।
  - इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य छात्रों को **विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार** के क्षेत्र में प्रेरित करना है, ताकि वे नई सोच और विचारधारा के साथ आगे बढ़ सकें।
  - वर्ष 2000 में, महोत्सव में स्टार्टअप्स, उद्यमशीलता और कार्यशालाओं को भी शामिल किया गया, जिसके परिणामस्वरूप यह महोत्सव एक व्यापक और विविधतापूर्ण तकनीकी उत्सव बन गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

- **परिचय:**
  - AI का आशय **कंप्यूटर या कंप्यूटर द्वारा नियंत्रित रोबोट के ऐसे कार्य करने की क्षमता से है जो आमतौर पर मनुष्यों द्वारा किये जाते हैं** क्योंकि ऐसे कार्यों के निष्पादन हेतु मानव बुद्धि और विवेक की आवश्यकता होती है।
    - हालाँकि **अभी ऐसी कोई AI प्रणाली नहीं है, जो एक सामान्य मानव द्वारा किये जा सकने वाले विभिन्न प्रकार के कार्यों को कर सके,** हालाँकि कुछ AI मनुष्यों द्वारा किये जाने वाले कुछ विशिष्ट कार्यों को करने में सक्षम हो सकते हैं।
- **विशेषताएँ और घटक:**
  - डीप लर्निंग (DL) तकनीक बड़ी मात्रा में असंरचित डाटा जैसे- टेक्स्ट, चित्र या वीडियो के माध्यम से **ऑटोमेटिक लर्निंग को सक्षम** बनाती है।
    - कृत्रिम बुद्धिमत्ता की आदर्श विशेषता इसकी युक्तिसंगत कार्रवाई करने की क्षमता है जिसमें एक विशिष्ट लक्ष्य प्राप्त किया जाता है। **मशीन लर्निंग (ML)**, AI का ही एक प्रकार है।

AI के प्रकार:

क्षमताओं के आधार पर	विवरण
दुर्बल Al या संकीर्ण Al	इस Al को शतरंज खेलने, चेहरे पहचानने या सिफ़ारिशें करने जैसे विशिष्ट कार्यों के लिये डिज़ाइन किया गया है। उदाहरणों में सिरी, वॉटसन, AlphaGo शामिल हैं।
जनरल Al	तर्कशक्ति, लर्निंग और प्लानिंग सहित किसी भी बौद्धिक कार्य को करने की क्षमता जो मनुष्य कर सकता है। कोई मौजूदा उदाहरण नहीं है, लेकिन शोधकर्त्ता इस पर कार्य कर रहे हैं।
सुपर Al	काल्पनिक Al जो मानव बुद्धि से बढ़कर है, रचनात्मकता, आत्म-जागरूकता और भावना जैसी संज्ञानात्मक क्षमताओं वाले कार्यों में उत्कृष्ट है। कोई वर्तमान उदाहरण नहीं, केवल भविष्य की संभावनाएँ।

अहेतुल्ला लॉन्गिरोस्ट्रिस साँप

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के दुधवा टाइगर रिज़र्व में एक दुर्लभ साँप, **अहेतुल्ला लॉन्गिरोस्ट्रिस (लंबी थूथन वाला बेल साँप)** खोजा गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **साँप के बारे में:**
  - इसकी खोज दुधवा टाइगर रिज़र्व के पलिया डिवीजन में **गैंडों** के शिफ्टिंग अभियान के दौरान की गई थी।
  - इससे पहले यह साँप केवल बिहार के पश्चिमी चंपारण में वाल्मीकि टाइगर रिज़र्व के जंगलों में पाया गया था।

- **विशेषताएँ:**
  - इसका शरीर लंबा, पतला और हरा या भूरा रंग का होता है, जो इसे अन्य साँपों से अलग करता है।
  - इसकी लंबी नाक (रोस्ट्रल) भी इसकी पहचान का एक प्रमुख संकेत है।
  - यह मुख्य रूप से पेड़ों पर रहता है और आसानी से शाखाओं तथा पत्तियों के बीच छिप सकता है।
  - यह हल्का जहरीला होता है, जिसका जहर इंसान के लिये अधिक खतरनाक नहीं होता।
  - परिवार: **कोलुब्रिडे**

दुधवा टाइगर रिज़र्व के बारे में

- यह उत्तर प्रदेश के लखीमपुर-खीरी ज़िले में भारत-नेपाल सीमा पर स्थित, उत्तर प्रदेश के तराई क्षेत्र में सबसे अच्छे प्राकृतिक जंगलों और घास के मैदानों का प्रतिनिधित्व करता है।
- यह रिज़र्व अपनी समृद्ध जैवविविधता के लिये जाना जाता है, जिसमें बंगाल टाइगर, भारतीय गैंडा, दलदली हिरण, तेंदुआ और पक्षियों की कई प्रजातियाँ सहित विभिन्न प्रकार की वनस्पतियाँ और जीव हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **इस तराई आर्क लैंडस्केप (TAL) के अंतर्गत तीन महत्त्वपूर्ण संरक्षित क्षेत्र शामिल हैं:**
  - दुधवा राष्ट्रीय उद्यान
  - किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य
  - कतर्निया घाट वन्यजीव अभयारण्य
- तीनों संरक्षित क्षेत्रों को राज्य में रॉयल बंगाल टाइगर के अंतिम व्यवहार्य घर होने के नाते प्रोजेक्ट टाइगर (Project Tiger) के तहत दुधवा टाइगर रिज़र्व के रूप में संयुक्त रूप से गठित किया गया है।
- दुधवा नेशनल पार्क और किशनपुर वन्यजीव अभयारण्य को वर्ष 1987 में तथा कतर्निया वन्यजीव अभयारण्य को वर्ष 2000 में दुधवा टाइगर रिज़र्व में शामिल किया गया था।

भारत-नेपाल साहित्य महोत्सव

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के वृंदावन (मथुरा) में तीन दिवसीय **भारत-नेपाल साहित्य महोत्सव** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **उत्सव के बारे में:**
  - यह आयोजन उत्तर प्रदेश ब्रज तीर्थ विकास परिषद की सहायक संस्था गीता शोध संस्थान और क्रांति धरा साहित्य अकादमी, मेरठ द्वारा आयोजित किया गया।
  - इस महोत्सव में भारत और नेपाल के 180 से अधिक साहित्यकार, लेखक, पत्रकार और शिक्षाविद् शामिल हुए।
  - इस महोत्सव का मुख्य उद्देश्य दोनों देशों के साहित्यिक और सांस्कृतिक धरोहर को प्रोत्साहित और संवर्द्धित करना था।
- **महत्त्व:**
  - साहित्य और संस्कृति के आदान-प्रदान को प्रोत्साहन मिला।
  - भारत और नेपाल के साहित्यकारों के बीच सहयोग को बढ़ावा मिला।
  - पारंपरिक और समकालीन साहित्य को एक नई दिशा मिली।

भारत -नेपाल संबंध

- पड़ोसी के रूप में **भारत और नेपाल मित्रता एवं सहयोग के अनूठे संबंधों को साझा करते** हैं, जिसकी विशेषता **एक खुली सीमा,** दोनों देशों के लोगों के बीच रिश्तेदारी तथा मज़बूत सांस्कृतिक संबंध है।
- **नेपाल के व्यापारिक व्यापार में** लगभग **दो-तिहाई तथा सेवाओं के व्यापार में लगभग एक-तिहाई योगदान** भारत का है।
- बटालियन स्तर पर संयुक्त सैन्य अभ्यास, '**सूर्य किरण**', भारत तथा नेपाल दोनों देशों में क्रमिक आधार आयोजित किया जाता है।
- भारत तराई क्षेत्र में 10 **सड़कों को उन्नत करके, जोगबनी-विराटनगर** तथा **जयनगर-बर्दीबास** में सीमा पार रेल संपर्क स्थापित करके एवं **बीरगंज, विराटनगर, भैरहवा व नेपालगंज** जैसे प्रमुख स्थानों पर एकीकृत चेक पोस्ट स्थापित करके नेपाल की मुख्य रूप से सहायता की।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- भारत ने काठमांडू-वाराणसी, लुंबिनी-बोधगया और जनकपुर-अयोध्या को जोड़ने के लिये **तीन सिस्टर-सिटी समझौतों पर हस्ताक्षर** किये हैं।

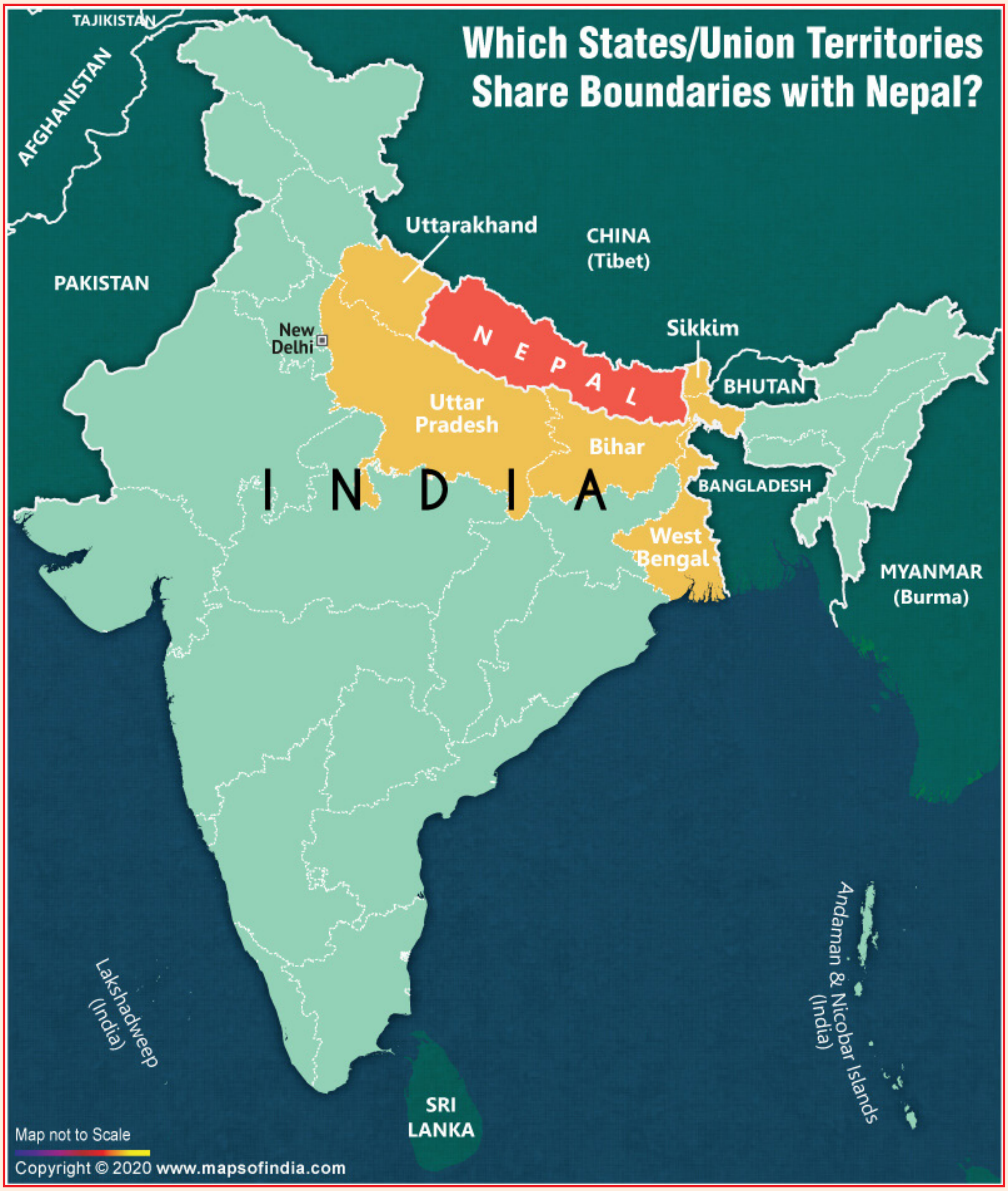

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश ने **47वीं राष्ट्रीय जूनियर बालिका हैंडबॉल चैंपियनशिप** जीती।

मुख्य बिंदु

- **चैंपियनशिप के बारे में:**
  - उत्तर प्रदेश ने **पहली बार** इस चैंपियनशिप का खिताब जीता।
  - फाइनल में उत्तर पदेश ने **हिमाचल प्रदेश को हराया**।
  - इस चैंपियनशिप का आयोजन 26 से 30 मार्च, 2025 तक लखनऊ **स्थित के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम में** हुआ।
  - यह उत्तर प्रदेश हैंडबॉल एसोसिएशन के 50वें स्थापना दिवस के अवसर पर आयोजित की गई।
- **हैंडबॉल**
  - यह एक इनडोर गेम है, जिसमें दो टीमें होती हैं और प्रत्येक टीम में सात खिलाड़ी होते हैं।
  - हैंडबॉल की शुरुआत 19वीं शताब्दी के अंत में **स्कैंडिनेविया** और **जर्मनी** में हुई थी।
  - पहले यह एक आउटडोर खेल था और 'फील्ड हैंडबॉल' के नाम से जाना जाता था। बाद में, स्वीडन में जी. वॉलस्ट्रॉम ने वर्ष 1910 में इनडोर हैंडबॉल की शुरुआत की।
  - वर्ष 1938 और 1966 के बीच, हैंडबॉल के दोनों प्रारूपों के लिये अलग-अलग विश्व चैंपियनशिप का आयोजन हुआ, लेकिन वर्ष 1967 के बाद से केवल इनडोर हैंडबॉल की विश्व चैंपियनशिप आयोजित की जाने लगी।
  - हैंडबॉल को ओलंपिक में वर्ष 1936 में बर्लिन में केवल एक बार प्रदर्शनी खेल के रूप में शामिल किया गया था, जबकि म्यूनिख में वर्ष 1972 में इसे ओलंपिक खेल के रूप में आधिकारिक तौर पर शामिल किया गया। महिला हैंडबॉल को ओलंपिक में वर्ष 1976 में शामिल किया गया।

बलिया में कच्चे तेल की खोज

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के गंगा बेसिन में स्थित बलिया ज़िले के सागरपाली गाँव में **तेल और प्राकृतिक गैस निगम (ONGC)** ने 3,000 मीटर की गहराई पर कच्चे तेल के विशाल भंडार की खोज की।

मुख्य बिंदु

- इससे न केवल भारत की ऊर्जा सुरक्षा में मदद मिलेगी, बल्कि अरब देशों पर निर्भरता भी कम हो जाएगी।
- यह भंडार कई दशकों तक भारत को आवश्यक ईंधन उपलब्ध कराएगा, जिससे देश की अर्थव्यवस्था को मज़बूती मिलेगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इस तेल भंडार का विस्तार बलिया के सागरपाली से लेकर प्रयागराज के फाफामऊ तक 300 किमी के क्षेत्र में फैला हुआ है।
- भारत में कच्चे तेल का उत्पादन करने वाले प्रमुख राज्य **राजस्थान** (21.82%), गुजरात (13.53%), असम (12.50%), तमिलनाडु (1.15%), आंध्र प्रदेश (0.87%) और अरुणाचल प्रदेश (0.13%) हैं।

तेल एवं प्राकृतिक गैस निगम(ONGC)

- यह भारत सरकार का एक **महारत्न सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम (PSU)** है।
- इसकी **स्थापना वर्ष 1995 में की गई थी** तथा यह **पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय** के अधीन है।
- यह भारत की सबसे बड़ी कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस कंपनी है, जो **भारतीय घरेलू उत्पादन में लगभग 70% योगदान देती है।**

गंगा बेसिन

- गंगा की जलधारा जिसे '**भागीरथी**' कहा जाता है, **गंगोत्री ग्लेशियर से पोषित होती है** और उत्तराखंड के देवप्रयाग में अलकनंदा से मिलती है।
- हरिद्वार में **गंगा पहाड़ों से निकलकर मैदानी इलाकों** की ओर आती है।
- गंगा में हिमालय से कई सहायक नदियाँ मिलती हैं, जिनमें से कुछ प्रमुख नदियाँ हैं जैसे कि यमुना, घाघरा, गंडक और कोसी।

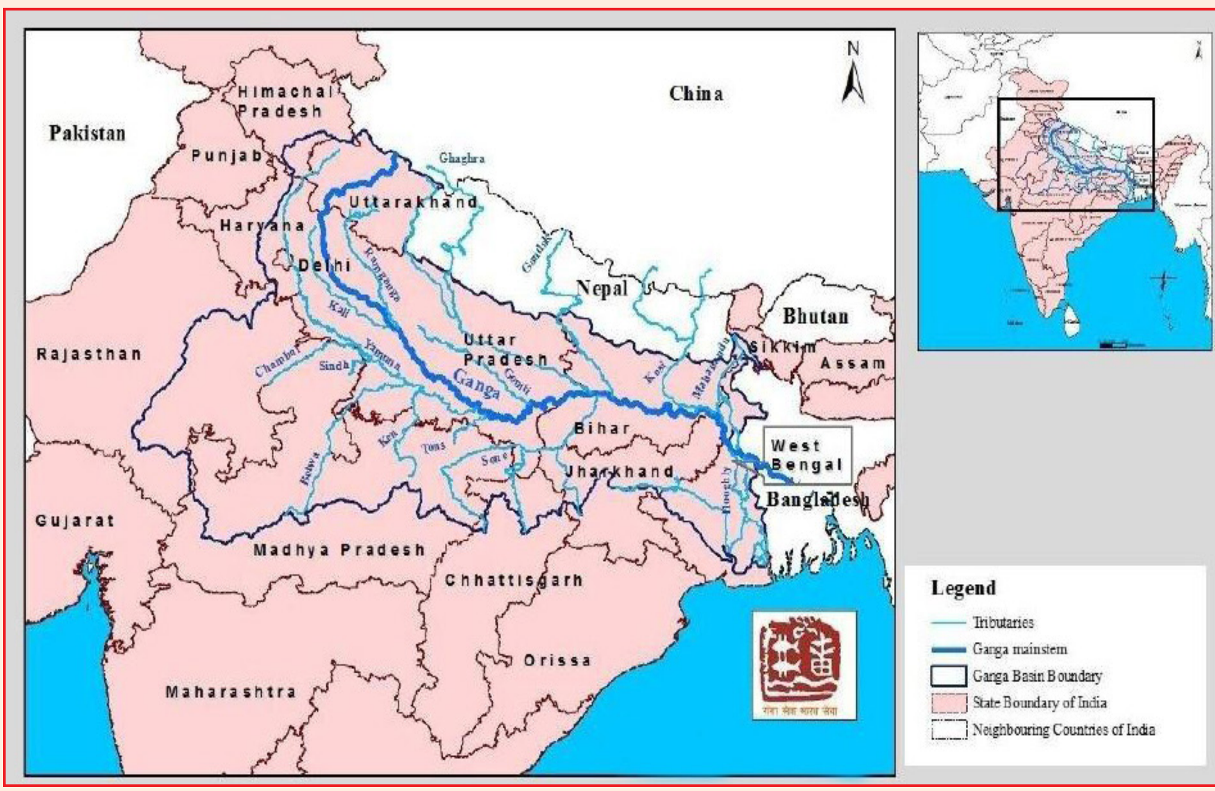

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मथुरा हेरिटेज कॉरिडोर परियोजना

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने अयोध्या और काशी के बाद अब **मथुरा में** हेरिटेज कॉरिडोर बनाने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिंदु

- **कॉरिडोर के बारे में:**
  - इसका मुख्य उद्देश्य **पर्यटन** को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाना है।
  - इसके लिये यमुना एक्सप्रेसवे से बांके बिहारी मंदिर को जोड़ने के लिये 6 किमी. लंबा मिनी लिंक एक्सप्रेसवे बनाया जाएगा, जिससे मथुरा और उसके आसपास के क्षेत्रों में यात्रा अधिक सुगम और सुलभ होगी।
  - कॉरिडोर में कन्वेशन सेंटर, कला संस्थान, योग और प्राकृतिक चिकित्सा केंद्र, अस्पताल, रिसॉर्ट तथा इलेक्ट्रिक बस डिपो जैसे महत्त्वपूर्ण निर्माण होंगे।
  - यह मथुरा को न केवल आध्यात्मिक स्थल के रूप में, बल्कि सांस्कृतिक और स्वास्थ्य पर्यटन के लिये भी प्रमुख केंद्र बनाने सहायक होगा।

मथुरा के बारे में

- **परिचय:**
  - मथुरा ज़िला, जो आगरा मंडल में स्थित है, यमुना नदी के किनारे बसा हुआ है।
  - इस ज़िले की सीमाएँ उत्तर-पूर्व में अलीगढ़, दक्षिण-पूर्व में हाथरस, दक्षिण में आगरा, पश्चिम में राजस्थान और उत्तर-पश्चिम में हरियाणा से मिलती हैं।
  - मथुरा एक प्रमुख हिंदू तीर्थ स्थल है और इसे भगवान कृष्ण का जन्मस्थान और गृहनगर माना जाता है।
- **इतिहास:**
  - मथुरा का सबसे पुराना उल्लेख भारतीय महाकाव्य रामायण में है। इसमें मथुरा को मधुपुर या मधुदानव का नगर कहा गया है तथा यहाँ लवणासुर की राजधानी बताई गई है।
  - छठी शताब्दी ईसा पूर्व में मथुरा **शूरसेन साम्राज्य** की राजधानी बन गई।
  - तीसरी शताब्दी ईसा पूर्व में मेगस्थनीज ने मथुरा का उल्लेख **"मेथोरा"** नाम से किया था।
  - कुषाणों ने मथुरा को अपनी राजधानी बनाया। कुषाण साम्राज्य के तहत मथुरा में कला और संस्कृति का उत्कर्ष हुआ।
- **मथुरा रिफाइनरी**
  - यह इंडियनऑयल की छठी रिफाइनरी है, जिसे 1982 में 6.0 MMTPA क्षमता के साथ देश के उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र में पेट्रोलियम उत्पादों की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिये शुरू किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **राष्ट्रीय बकरी अनुसंधान संस्थान:** मखदूम, मथुरा में स्थित है।
- **एक ज़िला एक उत्पाद:** सैनिटरी फिटिंग
- **दर्शनीय स्थल**
    - मथुरा संग्रहालय
    - कृष्ण जन्म भूमि
    - द्वारकाधीश मंदिर
    - बाँकेबिहारी मंदिर
    - गोवर्धन

इथेनॉल उत्पादन में उत्तर प्रदेश प्रथम राज्य बना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश ने इथेनॉल उत्पादन के क्षेत्र में देश में **शीर्ष स्थान** प्राप्त किया है। पिछले आठ वर्षों में राज्य ने अपनी उत्पादन क्षमता को बढ़ाकर 2 बिलियन लीटर प्रति वर्ष कर दिया है और भविष्य में इसे 2.5 बिलियन लीटर प्रति वर्ष तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।

मुख्य बिंदु

- **लाभ:**
    - इथेनॉल उत्पादन की बढ़ोतरी ने गन्ना किसानों को बेहतर मूल्य और आय में वृद्धि हुई है।
    - इथेनॉल उत्पादन से प्रदेश में नए उद्योगों की स्थापना हो रही है, जिससे हज़ारों लोगों को रोज़गार मिल रहा है। इससे ग्रामीण और कस्बाई क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियाँ तेज़ हो रही हैं।
    - इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (EBP) के इस्तेमाल को बढ़ावा देने से पेट्रोल-डीजल पर निर्भरता कम होगी और प्रदूषण में भी कमी आएगी। साथ ही, वर्ष 2070 तक शुद्ध-शून्य उत्सर्जन (नेट जीरो एमिशन) का लक्ष्य हासिल करने में भी मदद मिलेगी।
    - **गोंडा ज़िले** में **एशिया का सबसे बड़ा इथेनॉल प्लांट स्थापित** किया गया है और **गोरखपुर की पिपराइच चीनी मिल** में भी इथेनॉल उत्पादन संयंत्र स्थापित किया गया है।
- **बायोफ्यूल नीति-2022:**
    - राज्य सरकार इथेनॉल मिश्रित पेट्रोल (EBP) को बढ़ावा देने के लिये एक सुनियोजित बायोफ्यूल नीति-2022 तैयार की। इस नीति का मुख्य उद्देश्य किसानों की आय बढ़ाना और पर्यावरण को स्वच्छ बनाना है।
    - यह नीति राज्य को जैव ईंधन के प्रमुख हब में परिवर्तित करने की दिशा में एक महत्त्वपूर्ण कदम साबित हो रही है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

इथेनॉल के बारे में

- **परिचय:**
  - इथेनॉल, जिसे एथिल एल्कोहल के नाम से भी जाना जाता है, एक जैव ईंधन है जो विभिन्न स्रोतों जैसे गन्ना, मक्का, **चावल,** गेहूँ एवं **बायोमास** से उत्पादित होता है।
  - गुड़, चीनी निर्माण का एक उपोत्पाद है, जो आमतौर पर **इथेनॉल (निर्जल एल्कोहल)** तथा **रेक्टिफाइड स्पिरिट** के उत्पादन का मुख्य स्रोत है। **गुड़ को निम्नलिखित श्रेणियों में वर्गीकृत** किया जा सकता है:
    - **A श्रेणी गुड़:** प्रारंभिक **शर्करा क्रिस्टल निष्कर्षण से प्राप्त एक मध्यवर्ती उपोत्पाद**, जिसमें **80-85% शुष्क पदार्थ (DM)** होता है।
    - **B श्रेणी गुड़:** A श्रेणी गुड़ के समान DM सामग्री लेकिन कम चीनी के साथ ही कोई स्वत: क्रिस्टलीकरण नहीं होता है।
    - **C श्रेणी गुड़ (ब्लैकस्ट्रैप गुड़, ट्रेकल): चीनी प्रसंस्करण का अंतिम उप-उत्पाद**, जिसमें विशेष मात्रा में **सुक्रोज़ (लगभग 32% से 42%)** होता है। यह **क्रिस्टलीकृत नहीं** होता है और इसका उपयोग तरल या सूखे रूप में एक वाणिज्यिक फीड घटक के रूप में किया जाता है।
  - उत्पादन प्रक्रिया में खमीर द्वारा **शर्करा का किण्वन** अथवा एथिलीन हाइड्रेशन जैसी पेट्रोकेमिकल प्रक्रियाओं के माध्यम से किण्वन शामिल है।
  - **इथेनॉल 99.9% शुद्ध एल्कोहल** है जिसे **स्वच्छ ईंधन विकल्प बनाने के लिये पेट्रोल के साथ मिश्रित** किया जा सकता है।
- **इथेनॉल के गुण:**
  - इथेनॉल एक **स्वच्छ, रंगहीन तरल** है जिसमें शराब जैसी गंध एवं तीक्ष्ण स्वाद होता है।
  - यह **जल एवं अधिकांश कार्बनिक विलायकों में पूर्णत: घुलनशील** है।
  - अपने शुद्ध रूप में इसका क्वथनांक 78.37 डिग्री सेल्सियस और गलनांक -114.14 डिग्री सेल्सियस होता है।
  - इथेनॉल **एक ज्वलनशील पदार्थ** है और इसका दहन तापमान गैसोलीन की तुलना में कम होता है।
- **इथेनॉल के अनुप्रयोग:**
  - **पेय पदार्थ:** इथेनॉल एक प्रकार का अल्कोहल है जो मादक पेय पदार्थों में पाया जाता है। इसका सेवन **बीयर, वाइन एवं स्पिरिट** जैसे विभिन्न रूपों में किया जाता है।
  - **औद्योगिक विलायक:** विभिन्न प्रकार के पदार्थों में विलय होने की अपनी क्षमता के कारण, इथेनॉल का उपयोग फार्मास्यूटिकल्स, इत्र तथा अन्य उत्पादों के निर्माण में **विलायक के रूप में** किया जाता है।
  - **चिकित्सा एवं प्रयोगशाला उपयोग:** इथेनॉल का उपयोग चिकित्सा एवं प्रयोगशाला में **एंटीसेप्टिक, कीटाणुनाशक** तथा **परिरक्षक** के रूप में किया जाता है।
  - **रासायनिक फीडस्टॉक:** यह **विभिन्न रसायनों के उत्पादन के लिये फीडस्टॉक** के रूप में कार्य करता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **ईंधन:** इसका उपयोग **जैव ईंधन के रूप में** किया जाता है और साथ ही इथेनॉल-मिश्रित ईंधन का उत्पादन करने के लिये इसे प्राय: गैसोलीन के साथ मिलाया जाता है।

ईंधन के रूप में इथेनॉल

Drishti IAS

इथेनॉल
- प्रमुख जैव ईंधन।
- इसे एथिल अल्कोहल (C_2H_5OH) भी कहा जाता है।

उत्पादन
- **प्राकृतिक रूप से चीनी** (अथवा मक्का, चावल आदि) **के किण्वन द्वारा**
- **पेट्रोकेमिकल प्रक्रियाओं** द्वारा (एथिलीन हाइड्रेशन)

गैर-जीवाश्म ईंधन के महत्त्व के संदर्भ में जन-जागरूकता हेतु 10 अगस्त को विश्व जैव ईंधन दिवस मनाया जाता है।

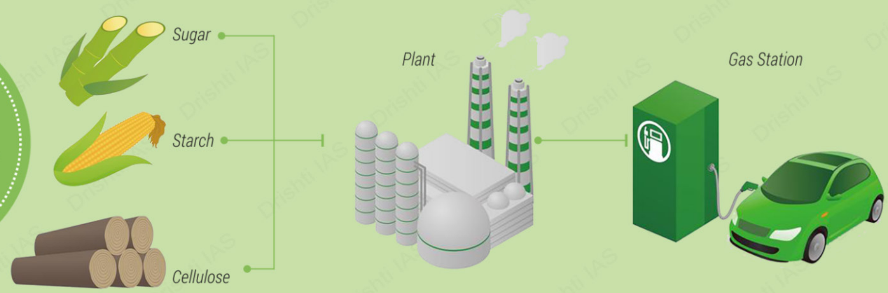

इथेनॉल सम्मिश्रण

वाहनों के परिचालन में जीवाश्म ईंधन की खपत कम करने के लिये पेट्रोल के साथ इथेनॉल को मिलाना।

सम्मिश्रण लक्ष्य
- वर्ष **2025** तक **E20:** ईंधन 80% पेट्रोल के साथ **20%** इथेनॉल का मिश्रण।

वर्तमान में वाहनों में प्रयोग होने वाले पेट्रोल में इथेनॉल की हिस्सेदारी **10%** ही है।

महत्त्व
- देश के तेल आयात में कमी आएगी।
- पेट्रोल की तुलना में कम लागत पर समतुल्य दक्षता प्राप्त होगी।
- पूर्ण रूप से जलता है साथ ही पेट्रोल से भी अधिक स्वच्छ होता है।
- किसानों की आय बढ़ाने के लिये कृषि अवशेषों से इथेनॉल का उत्पादन किया जा सकेगा।

चुनौतियाँ
- **गन्ने के लिये अधिक भूमि की आवश्यकता** (परिणामस्वरूप खाद्य कीमतों में वृद्धि) है।
- जैव ईंधन फसलों को **उच्च मात्रा में जल की आवश्यकता** होती है।

संबंधित पहलें
- भारत में इथेनॉल सम्मिश्रण के लिये रोडमैप (नीति आयोग की रिपोर्ट) (वर्ष 2021)
- E100 पायलट प्रोजेक्ट (इथेनॉल के उत्पादन और वितरण के लिये नेटवर्क) (वर्ष 2021)
- प्रधानमंत्री जी-वन योजना (2G इथेनॉल परियोजनाओं को बढ़ावा देने के लिये) (वर्ष 2019)
- राष्ट्रीय जैव ईंधन नीति (वर्ष 2018)
- इथेनॉल सम्मिश्रण कार्यक्रम (वर्ष 2003)

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 — SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस — SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स — SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप — SCAN ME

नोट :

सारनाथ मूर्तिकला शैली

चर्चा में क्यों?

थाईलैंड की यात्रा के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने थाईलैंड के **राजा महा वजिरालोंगकोर्न** को सारनाथ **शैली** में निर्मित ध्यान मुद्रा में **बुद्ध की पीतल की प्रतिमा** उपहार में दी।

- **सारनाथ मूर्तिकला के बारे में:**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

- **उद्भव एवं विकास:**
  - सारनाथ कला शैली का उद्भव कुषाण काल में हुआ और गुप्त काल में यह कला अपने उच्चतम शिखर पर पहुँची।
- **नामकरण:**
  - यह शैली सारनाथ में विकसित हुई थी, जहाँ महात्मा बुद्ध ने अपना प्रसिद्ध 'धर्मचक्र प्रवर्तन' (प्रथम उपदेश) दिया था।
  - इसके परिणामस्वरूप इस कला शैली को '**सारनाथ शैली**' के नाम से जाना गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **निर्माण सामग्री:**
  - प्राचीन काल में मूर्तियों के निर्माण के लिये मुख्यत: **बलुआ पत्थर** का प्रयोग किया जाता था। किंतु वर्तमान में, पत्थर के साथ-साथ पीतल जैसी धातुओं का भी उपयोग किया जाने लगा है, जिससे मूर्तियों की संरचना और स्थायित्व में सुधार हुआ।
- **विशेषताएँ:**
  - सारनाथ कला की बुद्ध की मूर्तियाँ शांति और ज्ञान की गहरी भावना को व्यक्त करती हैं।
  - बुद्ध की मूर्तियों में झुकी हुई आँखें और तीव्र नाक होती है, साथ ही उनके होठों पर एक सौम्य मुस्कान होती है। सारनाथ शैली के बुद्ध का चेहरा अत्यंत कोमल है।
  - बुद्ध को धर्मचक्र मुद्रा (शिक्षा मुद्रा) में बैठा हुआ दर्शाया जाता है, जहाँ उनके हाथ धर्म चक्र घुमाने और शिक्षा देने की मुद्रा में होते हैं।
  - इन मूर्तियों में अक्सर अभंग मुद्रा को चित्रित किया जाता है, जिसमें बुद्ध का शरीर हल्का झुका होता है, जो गति और सुंदरता का आभास कराता है।
  - बुद्ध की मूर्ति के पीछे का प्रभामंडल प्राय: जटिल पुष्प आकृतियों से सुसज्जित होता है, जो मूर्ति की भव्यता और आध्यात्मिक महत्त्व को और भी बढ़ा देता है।

उत्तर प्रदेश में बाल मृत्यु दर

चर्चा में क्यों?

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय द्वारा जारी **वार्षिक स्वास्थ्य रिपोर्ट** (2024-25) के अनुसार, विगत वर्षों में सुधार के बावजूद, उत्तर प्रदेश भारत में सबसे अधिक **बाल मृत्यु दर** वाले राज्यों में शामिल है।

मुख्य बिंदु

- **बाल मृत्यु दर के बारे में:**
  - रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश में प्रत्येक 1,000 बच्चों में से 43 बच्चे अपने पाँचवें जन्मदिन से पहले मर जाते हैं।
  - वर्तमान **शिशु मृत्यु दर (IMR)** 1,000 जीवित जन्मों पर 38 है, जबकि **नवजात मृत्यु दर (NMR)** 28 है।
  - यूनिसेफ इंडिया रिपोर्ट 2020 के अनुसार लगभग 46% **मातृ मृत्यु** और 40% नवजात मृत्यु प्रसव के दौरान या जन्म के बाद पहले 24 घंटों के भीतर हो जाती हैं।
  - नवजात शिशुओं की मृत्यु के प्रमुख कारणों में समय से पहले जन्म (35%), नवजात संक्रमण (33%), जन्म के समय श्वासावरोध (20%) और जन्मजात विकृतियाँ (9%) शामिल हैं।
  - हालाँकि, वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश और कर्नाटक में पाँच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर में सबसे अधिक गिरावट देखी गई।
  - उत्तर प्रदेश ने अपने **विज़न 2030** योजना के तहत वर्ष 2020 तक अपनी मातृ मृत्यु दर (MMR) को 140 प्रति लाख जीवित जन्म तक कम करने का लक्ष्य रखा था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- हालांकि, नवंबर 2022 में भारत के रजिस्ट्रार जनरल द्वारा प्रकाशित **नमूना पंजीकरण प्रणाली (SRS) रिपोर्ट 2018-20** से पता चला है कि MMR 167 प्रति लाख जीवित जन्म था, जो राष्ट्रीय औसत 97 प्रति लाख जीवित जन्म से अधिक है।
- भारत का नियंत्रक और महालेखापरीक्षक (CAG) रिपोर्ट में कहा गया है कि NFHS 4 (2015-16) से NFHS 5 (2019-21) तक संस्थागत प्रसव, नवजात मृत्यु दर, शिशु मृत्यु दर और 5 वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु दर जैसे संकेतकों में सुधार हुआ है।

- **बाल मृत्यु दर के कारण:**
  - **सेप्टीसीमिया (Sepsis)** यह एक गंभीर रक्त संक्रमण है, जो सेप्सिस नामक जानलेवा स्थिति और अंग क्षति का कारण बन सकता है।
  - राज्य में घर पर प्रसव की दर अधिक है, जो एक बड़ा खतरा है। घर पर प्रसव में प्रशिक्षित दाइयों की कमी, स्वच्छता की कमी, और चिकित्सा पेशेवरों की अनुपस्थिति संक्रमण के जोखिम को बढ़ाती है।
  - **उत्तर प्रदेश में दूरदराज और कम सेवा वाले क्षेत्रों में स्वास्थ्य देखभाल की कमी है।** स्वास्थ्य सेवा का अभाव, जैसे प्रसवपूर्व और प्रसवोत्तर देखभाल का अभाव, शिशु मृत्यु दर को बढ़ाता है।
  - सरकार ने कई योजनाएँ शुरू की हैं, जैसे जननी शिशु सुरक्षा कार्यक्रम (JSSK) और **घर-आधारित नवजात शिशु देखभाल (HBNC)**, लेकिन इन योजनाओं का लाभ सभी परिवारों तक समान रूप से नहीं पहुँच पा रहा है। इसके कारण, विशेषकर दूरदराज के क्षेत्रों में शिशुओं की मृत्यु दर अधिक है।
  - कुपोषण और जलवायु परिवर्तन के कारण बच्चों के स्वास्थ्य पर असर पड़ता है। जिससे शिशु मृत्यु दर में वृद्धि होती है।
  - बहुत से परिवारों में प्रसव के दौरान संक्रमण और शिशु देखभाल के बारे में जागरूकता की कमी है।

अनंत नगर आवास योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने लखनऊ विकास प्राधिकरण की **अनंत नगर आवासीय योजना** का शुभारंभ किया।

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - इस योजना की लागत 6500 करोड़ रुपए है जो कि 785 एकड़ में प्रस्तावित है।
  - इसके तहत डेढ़ लाख लोगों को आवासीय सुविधा मिलेगी।
  - 60 प्लॉट्स पर 10 हज़ार फ्लैट्स का निर्माण किया जाएगा।
  - **EWS (आर्थिक रूप से कमज़ोर वर्ग) और LIG (निम्न आय वर्ग)** श्रेणी के 5 हज़ार भवनों में 25 हज़ार से अधिक लोगों के लिये आवास का प्रावधान किया गया है।
  - प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 3 हज़ार आवासों का निर्माण भी यहाँ किया जाएगा।
  - इसके अलावा 102 एकड़ के क्षेत्रफल में एजुकेशन सिटी विकसित की जाएगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

प्रधानमंत्री आवास योजना- शहरी (PMAY-U)

- **लॉन्च:**
  - 25 जून, 2015 को **प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी (PMAY-U)** का शुभारंभ किया गया जिसका मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों के लोगों को वर्ष 2022 तक आवास उपलब्ध कराना है।
- **कार्यान्वयन:**
  - आवास और शहरी मामलों का मंत्रालय।
- **विशेषताएँ:**
  - यह शहरी गरीबों (झुग्गीवासी सहित) के बीच **शहरी आवास की कमी को संबोधित करते हुए पात्र शहरी गरीबों के लिये पक्के घर** सुनिश्चित करता है।
  - PMAY(U) के अंतर्गत सभी घरों में शौचालय, पानी की आपूर्ति, बिजली और रसोईघर जैसी बुनियादी सुविधाएँ प्रदान की जाती हैं।
  - यह योजना महिला सदस्य के नाम पर या संयुक्त नाम से घरों का स्वामित्व प्रदान कर महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा देती है।
  - विकलांग व्यक्तियों, वरिष्ठ नागरिकों, अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़ा वर्ग, अल्पसंख्यक, एकल महिलाओं, ट्रांसजेंडर और समाज के कमज़ोर वर्गों को इसमें प्राथमिकता दी जाती है।

भारत रत्न पंडित रविशंकर जयंती

चर्चा में क्यों?

7 अप्रैल, 2025 को सितार वादक और संगीतकार पंडित रविशंकर की 103वीं जयंती मनाई गई।

मुख्य बिंदु

- **पंडित रविशंकर के बारे में:**
  - पंडित रविशंकर, जिनका जन्म 7 अप्रैल, 1920 को **वाराणसी** में हुआ था, भारतीय शास्त्रीय संगीत के महान सितारवादक और संगीतकार थे।
  - उनका मूल **नाम रवींद्र शंकर चौधरी था** और वे अपने पिता श्याम शंकर चौधरी और माता हेमांगिनी देवी के सातवें पुत्र थे।
  - 18 साल की उम्र में उन्होंने सितार सीखना शुरू किया और इसके लिये **मैहर के उस्ताद अलाउद्दीन खान से दीक्षा ली।**
  - उन्होंने 25 वर्ष की आयु में प्रसिद्ध गीत **"सारे जहाँ से अच्छा" की पुनः रचना की।**
  - उन्होंने वर्ष 1949 से 1956 तक नई दिल्ली में ऑल इंडिया रेडियो के संगीत निदेशक के रूप में कार्य किया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- इसके बाद, 1960 के दशक में वायलिन वादक **येहुदी मेनुहिन और जॉर्ज हैरीसन** के साथ भारतीय शास्त्रीय संगीत की शिक्षा दी और प्रस्तुतियाँ दीं, जिससे इसे पश्चिमी दुनिया में लोकप्रिय बनाने में मदद मिली।
- पंडित रवि शंकर ने **भारतीय शास्त्रीय संगीत** को पश्चिमी दुनिया से परिचित कराया।
- वीटल्स के जॉर्ज हैरीसन ने उन्हें **'विश्व संगीत का गॉडफादर'** बताया।
- वर्ष 1986 से 1992 तक वह राज्यसभा के मनोनीत सदस्य भी रहे।
- 11 दिसंबर, 2012 को 92 वर्ष की आयु में उनका निधन गया।

- **सम्मान और पुरस्कार**
  - उन्हें वर्ष 1999 में देश के सर्वोच्च नागरिक सम्मान भारत रत्न से सम्मानित किया। इसके अतिरिक्त उन्हे अनेक **सम्मान और पुरस्कार मिले, जिनमें शामिल हैं:**
    - **यूनेस्को सद्भावना राजदूत (1999):** सांस्कृतिक योगदान के लिये नियुक्त।
    - **पद्म भूषण (1967):** भारत का तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान।
    - **पद्म विभूषण (1981):** असाधारण सेवा के लिये दूसरा सबसे बड़ा नागरिक पुरस्कार।
    - **कालिदास सम्मान (1986):** भारतीय शास्त्रीय संगीत में उत्कृष्टता के लिये मध्य प्रदेश का प्रमुख पुरस्कार।
    - **संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1987):** भारत में संगीत के क्षेत्र में श्रेष्ठता का प्रतीक।
    - **ग्रैमी पुरस्कार (चार बार):** 2013 में मरणोपरांत लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार सहित, विभिन्न श्रेणियों में सम्मानित।

भारतीय शास्त्रीय संगीत

- **परिचय:**
  - शास्त्रीय भारतीय संगीत, संगीत का एक जटिल और प्राचीन रूप है जिसकी जड़ें **हिंदू धर्म** के सबसे प्राचीन ग्रंथ वेदों में निहित हैं, जो लगभग 1500 ईसा पूर्व के हैं।
  - इसे दो मुख्य परंपराओं में विभाजित किया गया है: **हिंदुस्तानी संगीत,** (जो उत्तर भारत में प्रचलित है) और **कर्नाटक संगीत** (जो दक्षिण भारत में लोकप्रिय) है।
- **ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:**
  - भारतीय शास्त्रीय संगीत की **उत्पत्ति सामवेद** जैसे प्राचीन ग्रंथों से हुई है, जो इसकी गहन ऐतिहासिक पृष्ठभूमि एवं भारतीय परंपराओं से संबंध को प्रदर्शित करता है।
- **महत्त्व**
  - शास्त्रीय संगीत में **गुरु-शिष्य परंपरा** (शिक्षक-शिष्य परंपरा) की प्रमाणिकता को संरक्षित करते हुए एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी तक ज्ञान एवं कौशल का हस्तांतरण सुनिश्चित हुआ है।
  - शास्त्रीय संगीत में नियमों तथा परंपराओं (जैसे कि **राग प्रणाली**, जो पीढ़ियों से चली आ रही है) का पालन किया गया है, जिससे भारत की संगीत विरासत का संरक्षण सुनिश्चित हुआ है।
  - शास्त्रीय संगीत एक सामान्य सांस्कृतिक सूत्र के रूप में कार्य करते हुए विविध पृष्ठभूमि के लोगों को एकजुट करने में भूमिका निभाता है।
  - इसकी क्षेत्रीय, भाषायी एवं धार्मिक बाधाओं को कम करने के माध्यम से राष्ट्रीय एकता की भावना को बढ़ावा देने में भूमिका है।
  - शास्त्रीय संगीत में **विभिन्न क्षेत्रीय शैलियों एवं वाद्ययंत्रों** का समायोजन शामिल है, जो भारत की सांस्कृतिक विविधता का परिचायक है। इस समावेशिता से विभिन्न समुदायों के बीच सद्भाव तथा समन्वय को बढ़ावा मिलता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

उत्तर प्रदेश अग्निशमन विभाग गोवा सरकार से सम्मानित

चर्चा में क्यों ?

1 अप्रैल, 2025 को **गोवा सरकार ने** उत्तर प्रदेश अग्निशमन विभाग को सम्मानित किया।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - यह सम्मान समारोह गोवा के **अग्निशमन और आपातकालीन सेवा निदेशालय** द्वारा प्रदान किया गया।
  - गोवा की **राजधानी पणजी** में इस सम्मान समारोह का आयोजन हुआ।
  - यह सम्मान **महाकुंभ 2025**, प्रयागराज में उत्कृष्ट अग्निशमन और आपदा प्रबंधन सेवाओं के लिये दिया गया।
- **अग्निशमन विभाग की उपलब्धियाँ:**
  - 45 दिनों में 185 आग की घटनाओं को नियंत्रित किया, जिनमें से 24 बड़ी आग की घटनाएँ थीं।
  - इसके अलावा, लगभग 86 छोटी आग की घटनाओं पर तुरंत काबू पा लिया गया।
  - लगभग 16.5 करोड़ रुपए के संभावित नुकसान को बचाया गया।

कुंभ मेले के बारे में

- वर्ष 2025 में महाकुंभ मेला प्रयागराज में **13 जनवरी से 26 फरवरी 2025 तक** आयोजित किया गया, जिसमें 66.30 करोड़ से अधिक श्रद्धालु आए।
- **'कुंभ' शब्द की उत्पत्ति 'कुंभक'** (अमरता के अमृत का पवित्र घड़ा) धातु से हुई है।
- **पुष्यभूति वंश के राजा हर्षवर्द्धन ने प्रयागराज में कुंभ मेले का आयोजन प्रारंभ किया।**
- यह तीर्थयात्रियों का सबसे बड़ा शांतिपूर्ण समागम है जिसके दौरान प्रतिभागी पवित्र नदी में स्नान या डुबकी लगाते हैं। यह समागम 4 अलग-अलग जगहों पर होता है, अर्थात्:
  - हरिद्वार में **गंगा** के तट पर।
  - उज्जैन में **शिप्रा नदी** के तट पर।
  - नासिक में **गोदावरी** (दक्षिण गंगा) के तट पर।
  - प्रयागराज में **गंगा, यमुना और पौराणिक अदृश्य सरस्वती के संगम पर**

उत्तर प्रदेश का पहला बायो-सीएनजी प्लांट

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश के प्रयागराज में उत्तर प्रदेश का **पहला व देश का दूसरा अपशिष्ट-से-CNG प्लांट** स्थापित किया जा रहा है।

मुख्य बिंदु

- **प्लांट के बारे में:**
  - यह प्लांट **पराली, मुर्गी के कूड़े, गोबर और गीले कचरे** से जैव-ईंधन (Bio-CNG) बनाएगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- यह **प्रतिदिन 21.5 टन जैव-CNG, 200 टन जैविक खाद** और **30 मीट्रिक टन ब्रिकेट** का उत्पादन करेगा।
- इसे सार्वजनिक-निजी भागीदारी (PPP) मॉडल पर संचालित किया जाएगा।
- जैव ईंधन की आपूर्ति के लिये **अडानी गैस लिमिटेड** द्वारा इस क्षेत्र में पाइपलाइन बिछाई जाएगी।
- इससे **कचरा निपटान पर लगभग 5 करोड़ रुपए की वार्षिक बचत** होगी।
- **शहर का लगभग एक-तिहाई कचरा इस प्लांट** में उपयोग किया जाएगा।

- **उद्देश्य**
  - **कचरा प्रबंधन** को व्यवस्थित करना
  - नवीकरणीय और स्वच्छ ऊर्जा स्रोतों को बढ़ावा देना
  - **पर्यावरण प्रदूषण** को कम करना (विशेषकर पराली जलाने से होने वाला)
  - **शहरी गैस आपूर्ति** को सुलभ और सस्ती बनाना

बायो-सीएनजी

- बायो-सीएनजी (BioCNG), जिसे 'बायोमीथेन' के रूप में भी जाना जाता है, **एक नवीकरणीय और स्वच्छ दहन परिवहन ईंधन है, जो बायोगैस को प्राकृतिक गैस की गुणवत्ता में अद्यतन या अपग्रेड करने के माध्यम से उत्पादित किया जाता है।**
- यह अनिवार्य रूप से शुद्धिकृत बायोगैस (purified biogas) है, जो निम्नलिखित जैविक अपशिष्ट पदार्थों से बनाई जाती है:
  - **कृषि अपशिष्ट:** फसल अवशेष, भूसा, खाद
  - **खाद्य अपशिष्ट:** खराब भोजन, बचा हुआ अवशेष
  - **सीवेज कीचड़:** अपशिष्ट जल उपचार संयंत्रों से निकलने वाला ठोस अपशिष्ट

उत्तर प्रदेश में महिलाओं द्वारा संचालित सौर ऊर्जा दुकानें

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार मुख्यमंत्री युवा साथी योजना के तहत 3,304 सौर ऊर्जा **संचालित** दुकानें शुरू करने जा रही है, जिससे महिलाओं को स्वतंत्र रूप से स्थायी खुदरा दुकानें चलाने में सशक्त बनाया जा सकेगा।

मुख्य बिंदु

- **महिलाओं को सशक्त बनाना:**
  - **मुख्यमंत्री युवा साथी योजना** का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में **सौर ऊर्जा से चलने वाली खुदरा दुकानें** स्थापित करके महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना है।
  - चयनित महिलाएँ स्वतंत्र रूप से इन दुकानों का संचालन करेंगी, जिससे उन्हें स्वामित्व और व्यावसायिक स्वायत्तता प्राप्त होगी।
- **ज़िलेवार चयन और कार्यान्वयन:**
  - सौर ऊर्जा से चलने वाली दुकानों के प्रबंधन के लिये ज़िला स्तर पर महिला उद्यमियों का चयन किया जाएगा।
  - यह योजना स्थानीय अर्थव्यवस्थाओं में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने के लिये ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों को लक्षित करती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- ◆ प्रदेश के **826 ब्लॉकों** में **चार-चार सोलर शॉप** खोली जाएंगी। महिलाओं को **सोलर फ्रीजर, सोलर कोल्ड स्टोरेज, सोलर आटा चक्की, सोलर ड्रायर, सोलर फूड प्रोसेसिंग मशीन** जैसे Distributed Renewable Energy (DRE) उत्पादों से जोड़ा जाएगा।
- ◆ हर **ग्राम पंचायत** में एक महिला को **"सूर्य सखी"** और 10,000 **पर्यावरण सखियों** का गठन भी किया जाएगा।
  - ■ **लखनऊ** में एक सोलर निर्माण इकाई की स्थापना की जाएगी।
- ◆ सरकार दुकान प्रबंधन और सौर उपकरण संचालन में व्यापक प्रशिक्षण भी प्रदान करेगी।

- **हरित ऊर्जा और रोजगार को बढ़ावा देना:**
  - ◆ यह योजना पारंपरिक बिजली पर निर्भरता को कम करके स्वच्छ ऊर्जा को बढ़ावा देती है।
  - ◆ कम परिचालन लागत और नवीकरणीय ऊर्जा का उपयोग परियोजना को पर्यावरण के अनुकूल बनाता है।
  - ◆ साथ ही, यह स्थानीय रोजगार को बढ़ावा देता है और सरकारी उद्यमिता पहलों में भागीदारी को प्रोत्साहित करता है।
  - ◆ उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM) के अंतर्गत महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों से जोड़ते हुए उन्हें विभिन्न व्यावसायिक गतिविधियों के माध्यम से स्वरोज़गार उपलब्ध कराने के प्रयास किये जा रहे हैं।

उत्तर प्रदेश राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन (UPSRLM)

- UPSRLM को मई 2020 में COVID-19 लॉकडाउन के दौरान शुरू किया गया था।
- इस कार्यक्रम का उद्देश्य उत्तर प्रदेश में **58,000 बीसी सखियों** की नियुक्ति करना है।
- वर्तमान में **38,435 बीसी सखियाँ** कार्यरत हैं, जिन्हें प्रशिक्षण दिया जा चुका है और **भारतीय बैंकिंग एवं वित्त संस्थान (IIBF)** से प्रमाणित भी किया गया है।
- यह मॉडल उन क्षेत्रों में, जहाँ बैंकिंग सेवाएँ सीमित या अनुपलब्ध हैं, **वित्तीय सेवाएँ पहुँचाने का एक लागत प्रभावी और टिकाऊ माध्यम** सिद्ध हुआ है।
- BC सखियों को उनके बैंकिंग व्यवसाय को स्थायित्व देने हेतु प्रारंभिक **छह महीनों तक प्रति माह** ₹4,000 की सहायता राशि प्रदान की जाती है।

गरीबी उन्मूलन लक्ष्य

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने तीन साल के भीतर राज्य में गरीबी उन्मूलन की योजना की घोषणा की है। उन्होंने सभी के लिये आवास, पानी और रोज़गार के अवसर उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

मुख्य बिंदु

- **गरीबी के बारे में:**
  - ◆ गरीबी एक ऐसी स्थिति या अवस्था है जिसमें किसी व्यक्ति या समुदाय के पास न्यूनतम जीवन स्तर के लिये वित्तीय संसाधन और आवश्यक वस्तुओं का अभाव होता है। गरीबी का मतलब है कि रोजगार से आय का स्तर इतना कम है कि बुनियादी मानवीय ज़रूरतें पूरी नहीं हो पाती हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **विश्व बैंक के अनुसार,** गरीबी का अर्थ है खुशहाली में कमी और इसमें कई आयाम शामिल हैं। इसमें कम आय और गरिमा के साथ जीने के लिये आवश्यक बुनियादी वस्तुओं और सेवाओं को प्राप्त करने में असमर्थता शामिल है। गरीबी में स्वास्थ्य और शिक्षा का निम्न स्तर, स्वच्छ जल और स्वच्छता तक खराब पहुँच, अपर्याप्त शारीरिक सुरक्षा, आवाज़ की कमी और अपने जीवन को बेहतर बनाने के लिये अपर्याप्त क्षमता और अवसर भी शामिल हैं।
- वर्ष 2018 में, दुनिया के लगभग 8% श्रमिक और उनके परिवार **प्रति व्यक्ति प्रति दिन 1.90 अमेरिकी डॉलर (अंतर्राष्ट्रीय गरीबी रेखा)** से कम पर जीवन यापन कर रहे थे।

- **गरीबी के प्रकार:**
  - **पूर्ण गरीबी:** ऐसी स्थिति जिसमें घरेलू आय बुनियादी जीवन स्तर (भोजन, आश्रय, आवास) को बनाए रखने के लिये आवश्यक स्तर से कम हो। यह स्थिति विभिन्न देशों के बीच और समय के साथ तुलना करना संभव बनाती है।
    - इसे पहली बार वर्ष 1990 में पेश किया गया था, "एक डॉलर प्रतिदिन" गरीबी रेखा ने दुनिया के सबसे गरीब देशों के मानकों के अनुसार पूर्ण गरीबी को मापा। अक्तूबर 2015 में, विश्व बैंक ने इसे $1.90 प्रतिदिन पर निर्धारित कर दिया।
  - **सापेक्ष गरीबी:** इसे सामाजिक दृष्टिकोण से परिभाषित किया जाता है, अर्थात आसपास रहने वाली आबादी के आर्थिक मानकों की तुलना में जीवन स्तर। इसलिये यह आय असमानता का एक उपाय है।
  - आमतौर पर सापेक्ष गरीबी को जनसंख्या के उस प्रतिशत के रूप में मापा जाता है, जिसकी आय औसत आय के एक निश्चित अनुपात से कम होती है।
- **भारत में गरीबी का अनुमान**
  - भारत में गरीबी का आकलन नीति आयोग के टास्क फोर्स द्वारा सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MOSPI) के तहत राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण कार्यालय द्वारा एकत्र आंकड़ों के आधार पर गरीबी रेखा की गणना के माध्यम से किया जाता है।
    - **अलघ समिति (1979) ने** ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में एक वयस्क के लिये क्रमश: 2400 और 2100 कैलोरी की न्यूनतम दैनिक आवश्यकता के आधार पर गरीबी रेखा निर्धारित की।
    - इसके बाद विभिन्न समितियाँ; **लकड़ावाला समिति (1993), तेंदुलकर समिति (2009), रंगराजन समिति (2012) ने** गरीबी का आकलन किया।
    - रंगराजन समिति की रिपोर्ट (2014) के अनुसार, **गरीबी रेखा का अनुमान शहरी क्षेत्रों में 1407 रुपए और ग्रामीण क्षेत्रों में 972 रुपए प्रति व्यक्ति मासिक व्यय के रूप में लगाया गया है।**

ओडीओपी 2.0 नीति

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिये ODOP (One District One Product) की एक कार्ययोजना तैयार की है।

- इस योजना को **ब्रांडिंग**, **पैकेजिंग**, **मार्केटिंग** और **गुणवत्ता सुधार** जैसे नए आयामों से जोड़ा जाएगा, जिससे इसकी पहुँच और प्रभावशीलता और भी अधिक बढ़ सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - ओडीओपी योजना को अब **राज्यव्यापी स्वरोज़गार**, **कौशल विकास**, और **उद्यमिता** के रूप में विस्तारित किया जाएगा।
  - वर्ष 2025-26 के लिये **विभिन्न श्रेणियों में बजट आवंटन** किया गया है, जिससे योजना का **प्रभावी क्रियान्वयन** सुनिश्चित होगा।
  - **वित्तपोषण**, **कौशल उन्नयन**, और **टूलकिट वितरण** के लिये अलग से योजना तैयार की गई है।
  - **पहले चरण के सफल उद्यमियों** को अब **द्वितीय ऋण सुविधा** प्रदान की जाएगी, जिससे उनके व्यवसाय को अगले स्तर पर पहुँचाया जा सकेगा।
  - **हर ज़िले को लक्ष्य** दिया जाएगा और वर्ष **2024-25 में लंबित फाइलों** को नवीनीकरण कर बैंकों को भेजा जाएगा।
  - योजना के अंतर्गत वार्षिक लक्ष्य का **20% स्वीकृति और वितरण** सुनिश्चित किया जाएगा।
  - **ओडीओपी 2.0** के अंतर्गत वर्तमान योजनाओं का **सरलीकरण** किया जाएगा और **नई परियोजनाओं को मंज़ूरी** दी जाएगी।
  - **उन्नाव, बिजनौर और गोंडा** में निर्माणाधीन सीएफसी (Common Facility Center) परियोजनाओं का संचालन किया जाएगा।
  - **डिजिटल ई-पोर्टल** के माध्यम से **प्रशिक्षणार्थियों का चयन** किया जाएगा और उन्हें **मान्यता प्राप्त प्रशिक्षण संस्थानों** से जोड़ा जाएगा।
  - **सेक्टोरल विशेषज्ञों** की मदद से ओडीओपी उत्पादों को **राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच पर पहचान** दिलाने का प्रयास किया जाएगा।
- **एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP)**
  - यह कार्यक्रम प्रदेश के सभी **75 ज़िलों** में लागू किया गया है और इसे न केवल राष्ट्रीय, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी सराहना प्राप्त हुई है।
  - उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा **जनवरी 2018** में इस मिशन का शुभारंभ किया गया था।

उत्तर प्रदेश में ODOP उत्पादों की सूची

क्रमांक	ज़िला	उत्पाद
1.	आगरा	चमड़ा उत्पाद एवं स्टोन/मार्बल से निर्मित सभी हस्तशिल्प उत्पाद
2.	अमरोहा	वाद्य यंत्र (ढोलक) एवं रेडीमेड गारमेंट्स
3.	बागपत	होम फर्नीशिंग
4.	बरेली	ज़री-ज़रदोज़ी एवं बाँस के उत्पाद/सुनारी उद्योग
5.	गोरखपुर	टेराकोटा एवं रेडीमेड गार्मेंट्स
6.	लखनऊ	चिकनकारी एवं ज़री ज़रदोज़ी
7.	महोबा	गौरा पत्थर
8.	मिर्ज़ापुर	कालीन एवं मेटल उद्योग
9.	सिद्धार्थनगर	काला नमक चावल
10.	वाराणसी	बनारसी रेशम साड़ी

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

यूपी पुलिस पोर्टल को मिला स्कॉच पुरस्कार

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश पुलिस की तकनीकी सेवा इकाई द्वारा विकसित **जाँच, अभियोजन एवं दोषसिद्धि पोर्टल** को **स्कॉच पुरस्कार** से सम्मानित किया गया है।

मुख्य बिंदु

- **पोर्टल के बारे में:**
  - यह पुरस्कार **पुलिस एवं सुरक्षा श्रेणी** में दिया गया है।
  - **जाँच, अभियोजन एवं दोषसिद्धि पोर्टल** उत्तर प्रदेश पुलिस की **तकनीकी सेवा इकाई** द्वारा विकसित किया गया है।
  - यह पोर्टल **माफिया,** पोक्सो (POCSO), **बलात्कार** और अन्य **जघन्य अपराधों** से संबंधित मामलों में **जाँच प्रक्रिया की निगरानी** करता है।
  - इसके माध्यम से **समय पर चार्जशीट दाखिल** करने और **न्यायिक प्रक्रिया को तेज़** करने का कार्य किया जाता है।
  - अब तक इस पोर्टल के जरिये **85,000 लोगों को दोषसिद्धि** घोषित किया गया और **40,000 से अधिक पाँच वर्ष पुराने मामलों** का निपटारा किया गया।
- **स्कॉच पुरस्कार**
  - वर्ष 2003 में **स्कॉच समूह** द्वारा स्थापित किया गया था। यह एक **स्वतंत्र नागरिक सम्मान** है, जिसे उन व्यक्तियों, परियोजनाओं और संस्थानों को प्रदान किया जाता है, जो **भारत के** सतत विकास में उल्लेखनीय योगदान देते हैं।
  - यह पुरस्कार विशेष रूप से **शासन, वित्त, प्रौद्योगिकी** और **सामाजिक क्षेत्र** में उत्कृष्ट कार्यों को मान्यता देने के लिये प्रदान किया जाता है।

POCSO अधिनियम:

- **परिचय:**
  - **यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (POCSO) अधिनियम** 14 नवंबर, 2012 को लागू हुआ, जो वर्ष **1992 में बाल अधिकारों पर संयुक्त राष्ट्र कन्वेंशन** के भारत के अनुसमर्थन के परिणामस्वरूप अधिनियमित किया गया था।
  - इस विशेष कानून का उद्देश्य **बच्चों के यौन शोषण और यौन उत्पीड़न के अपराधों** को संबोधित करना है, जिन्हें या तो विशेष रूप से परिभाषित नहीं किया गया या पर्याप्त रूप से दंड का प्रावधान नहीं किया गया है।
  - यह अधिनियम **18 वर्ष से कम आयु के किसी भी व्यक्ति को बच्चे के रूप में** परिभाषित करता है। अधिनियम **अपराध की गंभीरता के अनुसार सज़ा** का प्रावधान करता है।
    - बच्चों के साथ होने वाले ऐसे अपराधों को रोकने के उद्देश्य से **बच्चों के यौन शोषण के मामलों में मृत्युदंड सहित अधिक कठोर दंड का प्रावधान** करने की दिशा में **वर्ष 2019 में अधिनियम** की समीक्षा तथा इसमें संशोधन किया गया।
    - भारत सरकार ने **POCSO नियम, 2020** को भी अधिसूचित कर दिया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

फल विकास और पादप हार्मोन

चर्चा में क्यों ?

फलों का पकना पौधे की **उम्र बढ़ने (जीर्णता)** की प्रक्रिया का अंतिम चरण है, जो बीजों के फैलाव को सरल और सुगम बनाने में सहायक होता है।

मुख्य बिंदु

- **फल विकास और पादप हार्मोन के बारे में:**
  - फल विकास 3 चरणों में होता है:
    - **फल सेट (Fruit Set):** निषेचन के बाद अंडाशय की वृद्धि प्रारंभ होती है।
    - **फल वृद्धि (Fruit Growth):** इस चरण में कोशिकाओं का सक्रिय विभाजन और विस्तार होता है।
    - **परिपक्वता (Maturation):** फल और बीज पूरी तरह से अपने आकार को प्राप्त कर लेते हैं।
  - इसके बाद **फसल पकती है**, जिससे खाद्यता में सुधार होता है और बीज फैलाव में सहायता मिलती है।
- **फल पकने की प्रक्रिया:**
  - पादप हार्मोन:
  - कृत्रिम फल पकाने के लिये प्रयुक्त पदार्थ:
    - **कैल्शियम कार्बाइड:** यह **जहरीली एसिटिलीन गैस उत्सर्जित करता है** तथा इसमें **फास्फोरस** और **आर्सेनिक (एक कैंसरकारी पदार्थ) हो सकता है,** जो गंभीर स्वास्थ्य समस्याएँ उत्पन्न कर सकता है।
  - खाद्य सुरक्षा एवं मानक विनियम, 2011 के अंतर्गत **FSSAI द्वारा** इसके उपयोग पर प्रतिबंध लगा दिया गया है।
  - **अनुमत पदार्थ:**
    - **एथिलीन गैस:** FSSAI द्वारा स्वीकृत 100 ppm **(प्रति मिलियन भाग)** तक; प्राकृतिक रूप से पकने में सहायक। इसे **नियंत्रित पकने वाले कक्षों** में प्रयुक्त किया जाना चाहिये और फलों के **सीधे संपर्क में नहीं आना चाहिये।**
    - **एथिफॉन: विखंडन पर एथिलीन मुक्त होती है** और विनियमित परिस्थितियों में कृत्रिम रूप से पकाने के लिये उपयोग किया जाता है।
    - **ईथरीय (Ethereal):** यह एक **एथिलीन-विमोचन यौगिक** है जिसका उपयोग **नियंत्िरत परिस्थितियों** में किया जाता है।

वाराणसी में विकास परियोजनाएँ

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री ने **वाराणसी** में **3,880 करोड़ रुपए से अधिक लागत वाली 44 परियोजनाओं** का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इन परियोजनाओं में **विभिन्न** क्षेत्रों से संबंधित विकास कार्य सम्मिलित हैं।

मुख्य बिंदु

- **परियोजनाओं के बारे में:**
  - **वाराणसी रिंग रोड** और सारनाथ के बीच सड़क पुल, भिखारीपुर और मंडुआडीह पर फ्लाईओवर और **वाराणसी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे** पर NH-31 पर **हाईवे अंडरपास** रोड सुरंग की आधारशिला रखी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बिजली के बुनियादी ढाँचे** में सुधार करते हुए, वाराणसी मंडल के जौनपुर, चंदौली और गाज़ीपुर ज़िलों में दो 400 KV (किलोवोल्ट) और एक 220 KV ट्रांसमिशन सबस्टेशन का उद्घाटन किया।
- पुस्तकालयों और आंगनवाड़ी केंद्रों को जोड़कर ग्रामीण शिक्षा में सुधार किया गया और स्मार्ट सिटी मिशन के तहत प्राथमिक विद्यालयों को उन्नत करने की नींव रखी गई।
- प्रधानमंत्री ने **एकता मॉल** के निर्माण की घोषणा की, जहाँ काशी में एक ही छत के नीचे पूरे भारत के **विविध शिल्प और उत्पादों का प्रदर्शन** किया जाएगा।
- पशुपालन करने वाले परिवारों को 105 करोड़ से ज़्यादा का बोनस दिया गया, जिनमें ज़्यादातर महिलाएँ थीं। इन महिलाओं को अब "लखपति दीदी" के नाम से जाना जाता है।
- प्रधानमंत्री ने वरिष्ठ नागरिकों को आयुष्मान वय वंदना कार्ड भी दिये, जिससे 70 साल से ज़्यादा उम्र के सभी लोगों को मुफ़्त स्वास्थ्य सेवा मिल सकेगी, चाहे उनकी आय कुछ भी हो।
  - आयुष्मान भारत योजना के तहत उत्तर प्रदेश के कई परिवारों को मुफ़्त इलाज मिला है।

- **उद्देश्य:**
  - यह परियोजनाएँ वाराणसी और आस-पास के **पूर्वांचल क्षेत्र में आर्थिक गतिविधियों** को तीव्र करेंगी।
  - इन परियोजनाओं का उद्देश्य वाराणसी और आसपास के क्षेत्रों में बुनियादी ढाँचे का सुधार करना है, इससे न केवल आम नागरिकों की जीवन गुणवत्ता में सुधार होगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन और सांस्कृतिक धरोहर को भी बढ़ावा मिलेगा।

वाराणसी

- **परिचय**
  - यह उत्तर प्रदेश राज्य का एक प्रमुख और ऐतिहासिक नगर है, जिसे **काशी** और **बनारस** के नाम से भी जाना जाता है।
  - यह नगर **गंगा नदी** के तट पर स्थित है और हिंदू धर्म **में** इसे अत्यन्त पवित्र और **महत्त्वपूर्ण तीर्थ स्थल माना जाता है।**
  - **वाराणसी नाम का उद्गम** यहाँ की दो स्थानीय नदियों **वरुणा नदी एवं असि नदी** के नाम से मिलकर बना है। ये नदियाँ **गंगा नदी** में क्रमश: उत्तर एवं दक्षिण से आकर मिलती हैं।
  - यह बौद्ध और जैन धर्मों का भी प्रमुख तीर्थ स्थल है।
    - **गौतम बुद्ध ने अपना पहला उपदेश सारनाथ (बनारस) में दिया था।**
  - वाराणसी को हिंदू धर्म में "**अविमुक्त क्षेत्र**" के रूप में प्रतिष्ठित किया गया है, जहाँ मरने से आत्मा को मुक्ति मिलती है।
  - वाराणसी को "**मंदिरों का शहर**", "**दीपों का शहर**", "**ज्ञान नगरी**" जैसे विशेषणों से संबोधित किया जाता है।
  - यह शहर हिन्दुस्तानी शास्त्रीय संगीत का बनारस घराना का केंद्र है। यहाँ के प्रमुख संगीतज्ञों और कलाकारों में **उस्ताद बिस्मिल्लाह खां, पंडित रवि शंकर और गिरिजा देवी** शामिल हैं।
- **शिक्षा और विश्वविद्यालय:**
  - वाराणसी में चार प्रमुख विश्वविद्यालय हैं: **बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, महात्मा गांधी काशी विद्यापीठ, सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ हाइयर टिबेटियन स्टडीज़** और **संपूर्णानंद संस्कृत विश्वविद्यालय**।
- **पर्यटन स्थल:**
  - काशी विश्वनाथ मंदिर
  - भारत माता मंदिर
  - सारनाथ
  - अस्सी घाट

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

रोहिन बैराज

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने **महाराजगंज** में **रोहिन बैराज परियोजना** का उद्घाटन किया।

मुख्य बिंदु

- **बैराज के बारे में:**
  - यह परियोजना उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा चलाई जा रही एक **सिंचाई अवसंरचना परियोजना** है, जो पूर्वी उत्तर प्रदेश के किसानों के लिये बहुत महत्त्वपूर्ण मानी जा रही है।
  - रोहिन बैराज लगभग **86 मीटर लंबा** है और इसके दोनों तटों पर सिंचाई की सुविधा प्रदान की गई है, जिससे **7,000 हेक्टेयर** से अधिक खेती योग्य भूमि को सीधा लाभ मिलेगा। यह क्षेत्र अब तक वर्षा या अस्थायी जल स्रोतों पर निर्भर था।
  - इस बैराज से पाँच माइनर नहरें निकाली गई हैं— **रामनगर, नकटोजी, वटजगर, सिसवा** और **बौलिया**— सिंचाई व्यवस्था को सुदृढ़ करेंगी।
  - इन नहरों के माध्यम से रबी और खरीफ **दोनों ही फसलों** के लिये जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सकेगी।
  - इस बैराज का निर्माण **रोहिन नदी** पर किया गया है।
  - इस परियोजना से सीधे तौर पर **16,000 किसानों** को लाभ मिलेगा। इन किसानों को नियमित और संरचित रूप में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित की जाएगी।
  - बैराज बनने से आसपास के गाँवों में **स्थायी नहर प्रणाली** और **जल आपूर्ति व्यवस्था** विकसित होगी।

रबी की फसल

- इन फसलों को **लौटते मानसून और पूर्वोत्तर मानसून के मौसम के दौरान (अक्तूबर) बोया जाता है,** जिन्हें रबी या सर्दियों की फसल कहा जाता है।
- इन फसलों की कटाई **सामान्यत: गर्मी के मौसम में अप्रैल और मई के दौरान होती है।**
- इन फसलों पर वर्षा का अधिक प्रभाव नहीं पड़ता है।
- रबी की प्रमुख फसलें गेहूँ, चना, मटर, जौ आदि हैं।
- बीजों के अंकुरण के लिये **गर्म जलवायु और फसलों के विकास हेतु ठंडी जलवायु की आवश्यकता होती है।**

खरीफ की फसलें:

- **दक्षिण-पश्चिम मानसून** के मौसम में बोई जाने वाली **फसलें खरीफ या मानसून की फसलें कहलाती हैं।**
- ये फसलें मौसम की शुरुआत में **मई के अंत** से लेकर **जून की शुरुआत** तक **बोई** जाती हैं और **अक्तूबर** से शुरू होने वाली **मानसूनी बारिश** के बाद काटी जाती हैं।
- ये फसलें वर्षा के पैटर्न पर निर्भर करती हैं।
- **चावल, मक्का, दालें जैसे उड़द, मूंग दाल और बाजरा** प्रमुख खरीफ फसलों में से हैं।
- इन्हें बढ़ने के लिये अधिक पानी और गर्म मौसम की आवश्यकता होती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

नोट :

सिस्टम फार प्रिवेंटिंग थेफ्ट आफ व्हीकल

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में उत्तर पदेश के नोएडा में स्थित एक **राजकीय महाविद्यालय** के **वैज्ञानिक द्वारा चोरी हुए वाहनों को ट्रैक करने के लिये** विकसित **एक विशेष उपकरण** को भारत सरकार द्वारा पेटेंट प्रदान किया गया है।

मुख्य बिंदु

- यह उपकरण चोरी हुए वाहनों को **खोजने और ट्रैक करने** में सहायक है। इसे "System for Preventing Theft of Vehicle" नाम दिया गया है।
- इसमें वाहन के **तीन मुख्य भागों** – **चेसिस**, **इंजन** और **नंबर प्लेट** में **वायरलेस चिप्स** लगाए जाते हैं।
- ये सभी चिप्स एक **मुख्य नियंत्रक (controller)** से जुड़े होते हैं, जो पूरे सिस्टम की निगरानी करता है।
- चिप्स को विशेष रूप से **कोडित** किया गया है, जिससे उन्हें **कहीं और इस्तेमाल किये जाने पर भी पहचाना** जा सकता है।
- यह प्रणाली **Fastag रीडर** की तरह कार्य करती है और **पुलिस** को चोरी हुए वाहन या उसके भाग की पुष्टि में मदद करती है।
- NCRB की रिपोर्ट के अनुसार, **दिल्ली** देश में सबसे अधिक **वाहन चोरी** की घटनाओं वाला क्षेत्र है और यह उपकरण विशेष रूप से ऐसे क्षेत्रों में **महत्त्वपूर्ण योगदान** दे सकता है।

राष्ट्रीय अपराध रिकॉर्ड ब्यूरो

- **परिचय**
  - NCRB की स्थापना केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत वर्ष 1986 में इस उद्देश्य से की गई थी कि भारतीय पुलिस में कानून व्यवस्था को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिये पुलिस तंत्र को सूचना प्रौद्योगिकी समाधान और आपराधिक गुप्त सूचनाएँ प्रदान कर समर्थ बनाया जा सके।
    - यह राष्ट्रीय पुलिस आयोग (1977-1981) और गृह मंत्रालय के कार्य बल (1985) की सिफारिशों के आधार पर स्थापित किया गया था।
- **कार्य:**
  - ब्यूरो को यौन अपराधियों के राष्ट्रीय डेटाबेस (National Database of Sexual Offenders-NDSO) को बनाए रखने और इन्हें नियमित आधार पर राज्यों/संघ राज्य क्षेत्रों के साथ साझा करने का कार्य सौंपा गया है।
  - NCRB को 'ऑनलाइन साइबर-अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल' के तकनीकी और परिचालन कार्यों के प्रबंधन हेतु केंद्रीय नोडल एजेंसी के रूप में भी नामित किया गया है, जिसके माध्यम से कोई भी नागरिक बाल अश्लीलता या बलात्कार/सामूहिक बलात्कार से संबंधित अपराध के सबूत के रूप में वीडियो क्लिप अपलोड कर शिकायत दर्ज कर सकता है।
  - अंतर-प्रचलित आपराधिक न्याय प्रणाली परियोजना (Inter-operable Criminal Justice System-ICJS) के क्रियान्वयन की ज़िम्मेदारी भी NCRB को दी गई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉडयूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2025

चर्चा में क्यों?

इंडिया स्किल्स रिपोर्ट 2025 में उत्तर प्रदेश ने **गणितीय कौशल और** कंप्यूटर दक्षता के क्षेत्रों में **देशभर में शीर्ष स्थान** प्राप्त किया है।

- साथ ही **रोज़गार के अवसरों** और **शहरों की रैंकिंग** में भी प्रदेश ने उल्लेखनीय प्रगति की है।

मुख्य बिंदु

- **रिपोर्ट के बारे में:**
  - **इंडिया स्किल्स रिपोर्ट** के अनुसार, 80% **युवा गणित और कंप्यूटर स्किल्स में दक्ष** हैं। इस मामले में यूपी ने **आंध्र प्रदेश को पीछे छोड़ते हुए पहला स्थान** प्राप्त किया है। मध्य प्रदेश, पंजाब और तेलंगाना क्रमश: तीसरे, चौथे और पाँचवें स्थान पर हैं।
  - **आलोचनात्मक सोच (Critical Thinking)** में भी उत्तर प्रदेश पहले स्थान पर है। इसके बाद **राजस्थान दूसरे** और **मध्य प्रदेश तीसरे स्थान** पर है।
  - अंग्रेज़ी दक्षता के क्षेत्र में **महाराष्ट्र ने पहला स्थान**, **कर्नाटक ने दूसरा** और **उत्तर प्रदेश ने तीसरा स्थान** प्राप्त किया है।
    - यह आँकड़े **ग्लोबल एम्प्लॉयबिलिटी टेस्ट (GATE)** की रिपोर्ट में सामने आए हैं, जो दुनिया भर के छात्रों और पेशेवरों की **नौकरी हेतु तैयारियों (Job-Ready Skills)** का मूल्यांकन करती है।
  - **18-25 वर्ष आयु वर्ग** के युवाओं के लिये **रोज़गार संसाधनों की उपलब्धता** के मामले में **उत्तर प्रदेश देश में पहले स्थान** पर है, जबकि **26-29 वर्ष के युवाओं** की श्रेणी में भी राज्य ने **तीसरा स्थान** प्राप्त किया है।
  - **इंटर्नशिप पसंदीदा राज्य** के रूप में तमिलनाडु के बाद **उत्तर प्रदेश दूसरे स्थान पर हैं।**
  - **कुल रोजगार प्रतिशत में महाराष्ट्र** (84%) पहले, **दिल्ली** (78%) दूसरे, **कर्नाटक** (75%) तीसरे, **आंध्र प्रदेश** (72%) चौथे, **केरल** (71%) पाँचवे और **उत्तर प्रदेश** (70%) छठे स्थान पर है।

जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने घोषणा की है कि उत्तर प्रदेश में शुरू किया जा रहा '**जीरो पॉवर्टी कार्यक्रम**' बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के नाम से जाना जाएगा।

मुख्य बिंदु

- **कार्यक्रम के बारे में:**
  - इस कार्यक्रम का उद्देश्य है कि उत्तर प्रदेश में कोई भी व्यक्ति **मूलभूत सुविधाओं से वंचित न रहे** और गरीब व हाशिये पर मौजूद समुदायों को **सभी सरकारी योजनाओं से जोड़ा जाए**।
  - मुख्यमंत्री के अनुसार इस योजना का नाम **बाबा साहेब आंबेडकर** के नाम पर इसलिये रखा जा रहा है क्योंकि उन्होंने ही **शैक्षणिक, सामाजिक और आर्थिक उत्थान** का दर्शन प्रस्तुत किया।
  - हर ग्राम पंचायत **में 20-25 ऐसे परिवारों** की पहचान की जाएगी, जो अभी तक सुविधाओं से वंचित हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- राज्य सरकार ऐसे परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना, **शौचालय, पेयजल, बिजली, गैस कनेक्शन,** आयुष्मान कार्ड, **पेंशन योजनाओं** जैसी सभी सरकारी सुविधाएँ दिलाने का कार्य करेगी।
- पहले चरण में **14-15 लाख परिवारों को योजना में शामिल** किया जाएगा।
- योजना में विशेष रूप से **मुसहर, थारू, वनटांगिया, कोल, बुक्सा, चेरो, गोड़ और सहरिया समुदायों** को प्राथमिकता दी जाएगी।
- **ग्राम पंचायतों के सामुदायिक शौचालयों** के रख-रखाव हेतु गठित समिति को नियमित **मासिक मानदेय** मिलेगा।

प्रधानमंत्री आवास योजना- ग्रामीण (PMAY-G)

- **शुभारंभ: वर्ष 2022 तक "सभी के लिये आवास"** के उद्देश्य को प्राप्त करने के लिये, पूर्ववर्ती ग्रामीण आवास योजना **इंदिरा आवास योजना (IAY)** को 1 अप्रैल 2016 से **केंद्र प्रायोजित योजना** के रूप में प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण (PMAY-G) में पुनर्गठित किया गया।
- **शामिल मंत्रालय:** ग्रामीण विकास मंत्रालय।
- **स्थिति:** राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने **लाभार्थियों को 2.85 करोड़ घर स्वीकृत किये हैं** और मार्च 2023 तक 2.22 करोड़ घर पूरे हो चुके हैं।

आयुष्मान भारत-PMJAY:

- **परिचय:**
  - आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (PMJAY) पूर्ण रूप से सरकार द्वारा वित्तपोषित **विश्व की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा** योजना है।
    - फरवरी 2018 में लॉन्च हुई यह योजना **माध्यमिक देखभाल** के साथ-साथ तृतीयक देखभाल हेतु **प्रति परिवार 5 लाख रुपए** की बीमा राशि प्रदान करती है।
      - स्वास्थ्य लाभ पैकेज में सर्जरी, दवा एवं दैनिक उपचार, दवाओं की लागत और निदान शामिल हैं।
    - यह एक पात्रता आधारित योजना है जो नवीनतम **सामाजिक- आर्थिक जाति जनगणना (SECC)** डेटा द्वारा पहचाने गए लाभार्थियों को लक्षित करती है।
      - राष्ट्रीय स्वास्थ्य प्राधिकरण (NHA) ने राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों को बचे हुए (अप्रमाणित) **SECC परिवारों के खिलाफ टैगिंग के लिये समान सामाजिक-आर्थिक प्रोफाइल वाले गैर-सामाजिक-आर्थिक जाति जनगणना (SECC)** लाभार्थी परिवार डेटाबेस का उपयोग करने हेतु लचीलापन प्रदान किया है।
    - इस योजना का वित्तपोषण संयुक्त रूप से किया जाता है, सभी **राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों** के मामले में केंद्र एवं विधायिका के बीच **60:40**, पूर्वोत्तर राज्यों तथा जम्मू-कश्मीर, हिमाचल एवं उत्तराखंड के लिये 90:10 और विधायिका के बिना केंद्रशासित प्रदेशों हेतु 100% केंद्रीय वित्तपोषण।

शहनाई को GI टैग मिला

चर्चा में क्यों ?

हाल ही में **बनारसी शहनाई और बनारसी तबला** को भौगोलिक संकेत (GI) टैग प्रदान किये हैं, जिससे वाराणसी **की समृद्ध सांस्कृतिक और शिल्प विरासत को** राष्ट्रीय मान्यता प्राप्त हुई है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **बनारसी शहनाई:**

  - बनारस शहनाई एक **पारंपरिक वायु वाद्य यंत्र है, जिसकी जड़ें** भारतीय शास्त्रीय संगीत के बनारस घराने में गहराई से जुड़ी हुई हैं।
  - **इसे राष्ट्रीय स्तर पर प्रसिद्धि उस्ताद बिस्मिल्लाह खान** के माध्यम से मिली, जिन्होंने **भारत के** प्रथम स्वतंत्रता दिवस पर लाल किले पर शहनाई बजाई थी।
  - इस वाद्य यंत्र को दिव्य और शुभ दर्जा प्राप्त है, जिसे अक्सर **शादियों, धार्मिक समारोहों और मंदिर अनुष्ठानों में बजाया जाता है।**
  - यह वाराणसी के आध्यात्मिक और कलात्मक चरित्र को दर्शाता है तथा **शहर की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान में योगदान देता है।**
- **बनारस तबला:**

  - बनारस तबला घराना, जिसे **पूरब घराना के नाम से भी जाना जाता है,** तबला वादन की एक अद्वितीय और प्रभावशाली शैली का प्रतिनिधित्व करता है जिसकी उत्पत्ति वाराणसी (बनारस) में हुई थी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- अपनी लयबद्ध परिष्कृतता और समृद्ध स्वर स्पष्टता के लिये जाना जाने वाला यह **घराना एक सशक्त पखावज प्रभाव प्रदर्शित करता है,** जो इसे अन्य शैलियों से अलग करता है।
- **इसकी अभिव्यंजक और गतिशील रचनाएँ इसे कथक नृत्य** के साथ संगत करने के लिये विशेष रूप से उपयुक्त बनाती हैं, जो कि उत्तर भारत में निहित एक शास्त्रीय शैली है।
- बनारस घराना **को भारतीय शास्त्रीय संगीत में छह प्रमुख तबला घरानों में से एक** माना जाता है।
- प्रसिद्ध प्रतिपादक पंडित अनोखेलाल मिश्र, पंडित किशन महाराज, पंडित समता प्रसाद हैं।

भौगोलिक संकेत (GI) टैग

- भौगोलिक संकेत (GI) टैग, एक ऐसा **नाम या चिह्न** है जिसका **उपयोग उन विशेष उत्पादों पर किया जाता है** जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से संबंधित होते हैं।
- GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल **अधिकृत उपयोगकर्त्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों** को ही लोकप्रिय उत्पाद के नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
- यह उत्पाद को दूसरों द्वारा नकल या अनुकरण किये जाने से भी बचाता है।
  - एक पंजीकृत GI टैग **10 वर्षों के लिये वैध** होता है।
- GI पंजीकरण की देखरेख वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधीन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा की जाती है।
- **विधिक ढाँचा:**
  - यह बौद्धिक संपदा अधिकार **के व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS)** पर WTO समझौते द्वारा विनियमित एवं निर्देशित है।

उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक फैक्ट्री पंजीकरण दर्ज

चर्चा में क्यों?

भारत सरकार के वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI) के नवीनतम आँकड़ों के अनुसार **उत्तर प्रदेश** ने वर्ष 2024-25 में **देश में सबसे अधिक फैक्ट्री पंजीकरण** दर्ज किये हैं।

मुख्य बिंदु

- **रिपोर्ट के बारे में:**
  - उत्तर प्रदेश में 2024-25 में 3,318 फ़ैक्टरियाँ पंजीकृत हुईं, जो 2020-21 में दर्ज 1,484 से लगभग दोगुनी हैं।
  - **ईज ऑफ डूइंग बिजनेस** में सुधार, **प्रशासनिक दक्षता** और **नीतिगत निर्णयों** के कारण यह वृद्धि हुई है।
  - रिपोर्ट के अनुसार उत्तर प्रदेश अब छोटे और मध्यम उद्यमों के अलावा **बड़े पैमाने पर औद्योगिक निवेश** के लिये भी एक **प्रमुख और आकर्षक गंतव्य** के रूप में तेज़ी से उभर रहा है।
  - **ASI फ्रेम में यूपी की हिस्सेदारी वर्ष 2022-23 में 7.6%** हो गई, जो अब तक की सबसे अधिक है।
  - यह प्रगति मुख्यमंत्री के **1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था** के लक्ष्य की दिशा में एक मज़बूत कदम है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- उत्तर प्रदेश का औद्योगिक **सकल मूल्य वर्धित (GVA)** वर्ष 2022-23 में **1.3 लाख करोड़ रुपए** तक पहुँच गया, जो देश के **कुल औद्योगिक GVA में 6.1% का योगदान** है।
  - GVA उस मूल्य को दर्शाता है, जो उत्पादक उत्पादन प्रक्रिया के दौरान **वस्तुओं और सेवाओं में जोड़ते हैं।**
  - इसकी गणना कुल उत्पादन **से इनपुट (मध्यवर्ती खपत) की लागत घटाकर की जाती है।**
  - यह **सकल घरेलू उत्पाद (GDP) का एक प्रमुख घटक है,** जो आर्थिक संवृद्धि को दर्शाता है। GVA विकास दर क्षेत्रीय प्रदर्शन में अंतर्दृष्टि प्रदान करती है, जिससे आर्थिक विश्लेषण और नीति निर्धारण में सहायता मिलती है।

वार्षिक उद्योग सर्वेक्षण (ASI)

- **परिचय:**
  - ASI भारत में **औद्योगिक आँकड़ों का** प्राथमिक स्रोत है।
  - **1953 के सांख्यिकी संग्रह अधिनियम** के अनुसार इसकी **शुरुआत वर्ष 1960 में हुई थी,** वर्ष **1959 को आधार वर्ष** मानकर, वर्ष **1972 को छोड़कर,** यह **प्रतिवर्ष आयोजित किया जाता है।**
  - ASI वर्ष 2010-11 से यह सर्वेक्षण **सांख्यिकी संग्रह अधिनियम, 2008 के तहत आयोजित किया गया है,** जिसे **अखिल भारतीय स्तर पर विस्तारित करने** के लिये वर्ष **2017 में संशोधित किया गया था।**
  - **सांख्यिकी और कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय (MoSPI)** का एक हिस्सा, राष्ट्रीय **सांख्यिकी कार्यालय (NSO)** ASI का संचालन करता है।
    - सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय द्वारा जारी किये गए आँकड़ों की कवरेज़ और गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिये ज़िम्मेदार है।

पीएम कुसुम योजना में उत्तर प्रदेश अग्रणी

चर्चा में क्यों?

नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री ने पीएम कुसुम योजना और पीएम सूर्य घर योजना के प्रभावी क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश की अग्रणी भूमिका की सराहना की।

- **मुख्य बिंदु**
  - PM-कुसुम
    - PM-कुसुम भारत सरकार द्वारा वर्ष 2019 में शुरू की गई एक प्रमुख योजना है, जिसका प्राथमिक उद्देश्य **सौर ऊर्जा समाधानों को बढ़ावा देकर कृषि क्षेत्र में बदलाव लाना है।**
    - यह मांग-संचालित दृष्टिकोण पर कार्य करती है। **विभिन्न राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों (UT) से प्राप्त मांगों के** आधार पर क्षमताओं का आवंटन किया जाता है।
    - PM-कुसुम का लक्ष्य **31 मार्च, 2026 तक 30.8 गीगावाट की महत्त्वपूर्ण सौर ऊर्जा क्षमता** वृद्धि हासिल करना है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **उद्देश्य:**
  - इस योजना का उद्देश्य **सौर ऊर्जा संचालित पंपों** और अन्य नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों के उपयोग को प्रोत्साहित करके सिंचाई के लिये **डीज़ल पर निर्भरता को कम करना है।**
    - इसका उद्देश्य **सौर पंपों के उपयोग के माध्यम से सिंचाई लागत को कम करके** और उन्हें ग्रिड को अधिशेष सौर ऊर्जा बेचने में सक्षम बनाकर किसानों की आय में वृद्धि करना है।
  - सौर पंपों तक पहुँच प्रदान करके तथा **सौर-आधारित सामुदायिक सिंचाई परियोजनाओं** को बढ़ावा देकर, इस योजना का उद्देश्य किसानों के लिये जल एवं ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाना है।
  - स्वच्छ और नवीकरणीय सौर ऊर्जा को अपनाकर इस योजना का उद्देश्य पारंपरिक ऊर्जा स्रोतों के कारण होने वाले पर्यावरण प्रदूषण को कम करना है।
- **घटक:**
  - **घटक-A:** किसानों की बंजर/परती/चरागाह/दलदली/कृषि योग्य भूमि पर 10,000 मेगावाट के **विकेंद्रीकृत ग्राउंड/स्टिल्ट माउंटेड सौर ऊर्जा संयंत्रों की स्थापना।**
  - **घटक-B:** ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में 20 लाख स्टैंड-अलोन सौर पंपों की स्थापना।
  - **घटक-C:** 15 लाख **ग्रिड से जुड़े कृषि पंपों** का सोलराइज़ेशन: व्यक्तिगत पंप सोलराइज़ेशन और फीडर लेवल सोलराइज़ेशन।

पीएम-सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना

- **परिचय:** यह पर्याप्त वित्तीय सब्सिडी प्रदान करके और इनस्टॉलेशन में सुविधा सुनिश्चित करके **सोलर रूफटॉप सिस्टम** को अपनाने को बढ़ावा देने के लिये एक **केंद्रीय योजना है।**
- **उद्देश्य:** इसका लक्ष्य भारत में **एक करोड़ परिवारों** को **मुफ्त विद्युत ऊर्जा उपलब्ध कराना है,** जो रूफटॉप सोलर पैनल वाली बिजली इकाइयाँ स्थापित करना चाहते हैं।
- **परिवारों को प्रत्येक महीने 300 यूनिट** बिजली मुफ्त मिल सकेगी।
- **कार्यान्वयन एजेंसियाँ:** योजना का क्रियान्वयन **दो स्तरों पर** किया जाएगा।
- **राष्ट्रीय स्तर: राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी (NPIA)** द्वारा प्रबंधित।
- **राज्य स्तर: राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों (SIA)** द्वारा प्रबंधित, जो संबंधित राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों की वितरण उपयोगिताएँ (डिस्कॉम) या विद्युत/ऊर्जा विभाग हैं।
- **डिस्कॉम की भूमिका:** SIA के रूप में डिस्कॉम **रूफटॉप सौर ऊर्जा संक्रमण को बढ़ावा** देने की दिशा में विभिन्न उपायों को सुविधाजनक बनाने के लिये उत्तरदायी हैं, जिसमें **नेट मीटर** की उपलब्धता सुनिश्चित करना, समय पर निरीक्षण करना एवं प्रतिष्ठानों को चालू करना शामिल है।
- **सब्सिडी संरचना:** यह योजना सोलर रूफटॉप सिस्टम इनस्टॉलेशन की लागत को कम करने के लिये सब्सिडी प्रदान करती है। सब्सिडी अधिकतम **3 किलोवाट क्षमता तक सीमित** है।
- 2 किलोवाट क्षमता तक के सोलर सिस्टम के लिये **60% सब्सिडी।**
- 2 किलोवाट से 3 किलोवाट क्षमता के बीच सोलर सिस्टम के लिये **40% सब्सिडी।**

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कथक नृत्यांगना कुमुदिनी लाखिया का निधन

चर्चा में क्यों ?

कथक कलाकार और कोरियोग्राफर कुमुदिनी लाखिया का अहमदाबाद स्थित उनके आवास पर आयु संबंधी बीमारी के कारण 95 वर्ष की आयु में निधन हो गया।

मुख्य बिंदु

- **कुमुदिनी लाखिया के बारे में:**
  - **कुमुदिनी लाखिया**, जिन्हें **"कुमीबेन"** भी कहा जाता था, उन कलाकारों में शामिल थीं जिन्होंने **कथक की पारंपरिक शैली** के शास्त्रीय सार के साथ **आधुनिक भाव-भंगिमाओं**, **तकनीकों** और **विषयवस्तु** का समावेश किया।
  - उनका जन्म **17 मई 1930** को **अहमदाबाद** (गुजरात) में एक संगीत-प्रेमी परिवार में हुआ था।
  - उन्होंने कथक नृत्य की प्रारंभिक शिक्षा जयपुर घराने के **पंडित सुंदर प्रसाद** से प्राप्त की। इसके बाद उन्होंने **लखनऊ घराने** के महान नृत्याचार्य **पंडित शंभू महाराज** से भी प्रशिक्षण लिया।
  - अपने प्रशिक्षण के दौरान उन्हें **पंडित** बिरजू महाराज के साथ कार्य करने का अवसर भी प्राप्त हुआ, जिससे उनकी नृत्य दृष्टि और अधिक समृद्ध हुई।
  - उन्होंने न केवल भारत में, बल्कि **यूरोप** और **संयुक्त राज्य अमेरिका** जैसे देशों में भी अपनी कला का प्रदर्शन किया।

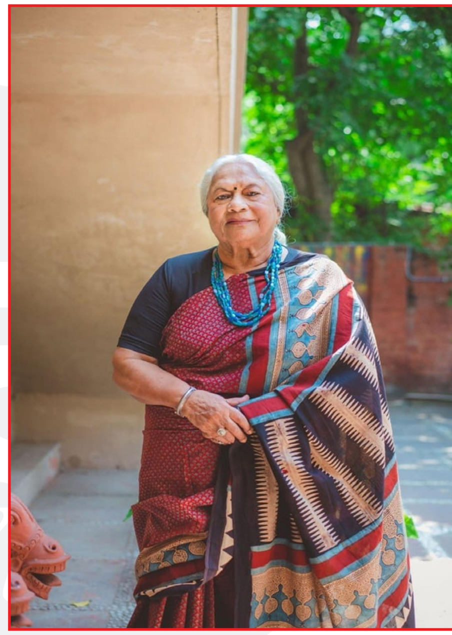

- **कदंब की स्थापना**
  - वर्ष 1964 में उन्होंने **अहमदाबाद** में **"कदंब नृत्य और संगीत केंद्र"** की स्थापना की। इस केंद्र के माध्यम से उन्होंने कथक की एक नई पीढ़ी को प्रशिक्षित किया।
- **पुरस्कार और सम्मान**
  - **संगीत नाटक अकादमी पुरस्कार (1982):** भारत की राष्ट्रीय अकादमी द्वारा शास्त्रीय नृत्य **में योगदान** के लिये दिया गया सम्मान।
  - पद्म श्री **(1987):** भारत सरकार द्वारा दिया जाने वाला **चौथा सर्वोच्च नागरिक सम्मान**।
  - पद्म भूषण **(2010): तीसरा सर्वोच्च नागरिक सम्मान** है।
  - **कालिदास सम्मान (2002):** मध्य प्रदेश सरकार द्वारा प्रदान किया जाने वाला एक **प्रतिष्ठित सांस्कृतिक पुरस्कार**।
  - पद्म विभूषण **(2025):** भारत का **दूसरा सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार** है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कथक के बारे में

- **परिचय:**
  - कथक शब्द का उदभव कथा शब्द से हुआ है जिसका शाब्दिक अर्थ है कथा कहना। यह नृत्य मुख्य रूप से उत्तरी भारत में किया जाता है।
  - यह मुख्य रूप से एक मंदिर या गाँव का प्रदर्शन था जिसमें नर्तक प्राचीन ग्रंथों की कहानियाँ सुनाते थे।
  - यह भारत के **शास्त्रीय नृत्यों** में से एक है।
- **विकास:**
  - पंद्रहवीं और सोलहवीं शताब्दी में **भक्ति आंदोलन** के प्रसार के साथ कथक नृत्य एक विशिष्ट विधा के रूप में विकसित हुआ।
  - राधा-कृष्ण की किंवदंतियों को सर्वप्रथम 'रास लीला' नामक लोक नाटकों में प्रयोग किया गया था, जिसमें बाद में कथक कथाकारों के मूल इशारों के साथ लोक नृत्य को भी जोड़ा गया।
  - कथक को मुगल सम्राटों और उनके रईसों के अधीन दरबार में प्रदर्शित किया जाता था, जहाँ इसने अपनी वर्तमान विशेषताओं को प्राप्त कर लिया और एक विशिष्ट शैली के रूप में विकसित हुआ।
  - अवध के अंतिम नवाब वाजिद अली शाह के संरक्षण में यह एक प्रमुख कला रूप में विकसित हुआ।
- **नृत्य शैली:**
  - आमतौर पर एक एकल कथाकार या नर्तक छंदों का पाठ करने हेतु कुछ समय के लिये रुकता है और उसके बाद शारीरिक गतिविधियों के माध्यम से उनका प्रदर्शन होता है।
  - इस दौरान पैरों की गति पर अधिक ध्यान दिया जाता है; 'एंकल-बेल' पहने नर्तकियों द्वारा शरीर की गति को कुशलता से नियंत्रित किया जाता है और सीधे पैरों से प्रदर्शन किया जाता है।
  - 'तत्कार' कथक में मूलत: पैरों की गति ही शामिल होती है।
  - कथक शास्त्रीय नृत्य का एकमात्र रूप है जो हिंदुस्तानी या उत्तर भारतीय संगीत से संबंधित है।
  - कुछ प्रमुख नर्तकों में बिरजू महाराज, सितारा देवी शामिल हैं

खाद्य उद्योग उन्नयन योजना

चर्चा में क्यों ?

प्रधानमंत्री सूक्ष्म खाद्य उद्योग उन्नयन योजना (PMFME) के क्रियान्वयन में उत्तर प्रदेश ने देश में प्रथम स्थान प्राप्त किया है।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - **ऋण स्वीकृति** के मामले में उत्तर प्रदेश में औसतन **101 दिन** लगते हैं, जबकि बिहार में **110 दिन** और तेलंगाना में **190 दिन** का समय लगता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **ऋण वितरण** में उत्तर प्रदेश ने **14 प्रतिशत की वृद्धि** दर्ज की है।
- उत्तर प्रदेश ने **पिछले वर्ष की तुलना में 250 करोड़ रुपए अधिक** बजट **व्यय** किया है।
- वहीं **वर्ष 2025-26 के बजट** में **56 प्रतिशत की वृद्धि** के साथ **उत्तर प्रदेश के लिये 300 करोड़ रुपए की अतिरिक्त धनराशि** का प्रावधान किया गया है।

PMFME के बारे में

- **परिचय**
  - इसे **आत्मनिर्भर अभियान** के तहत वर्ष 2020 में शुरू किया गया है, इसका उद्देश्य **खाद्य प्रसंस्करण उद्योग** के असंगठित क्षेत्र में मौजूदा व्यक्तिगत सूक्ष्म उद्यमों की प्रतिस्पर्द्धात्मकता को बढ़ाना और क्षेत्र की औपचारिकता को बढ़ावा देना तथा **किसान उत्पादक संगठनों**, **स्वयं सहायता समूहों** एवं उत्पादक सहकारी समितियों को सहायता प्रदान करना है।
- यह योजना इनपुट की खरीद, सामान्य सेवाओं और उत्पादों के विपणन के संबंध में पैमाने का लाभ उठाने के लिये एक ज़िला एक उत्पाद (ODOP) दृष्टिकोण अपनाती है।
- PMFME योजना वर्तमान **35 राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों में कार्यान्वित** की जा रही है।
- इसे पाँच वर्ष (2020-21 से 2024-25) की अवधि के लिये लागू किया गया था।

नोडल मंत्रालय:

- खाद्य प्रसंस्करण उद्योग मंत्रालय (Ministry of Food Processing Industries- MoFPI)।

मैकग्रेगर मेमोरियल मेडल

चर्चा में क्यों?

16 अप्रैल 2025 को चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS) **जनरल अनिल चौहान** ने पाँच सैन्य कर्मियों को **वर्ष 2023 और 2024** के लिये **मैकग्रेगर मेमोरियल मेडल** से सम्मानित किया।

मुख्य बिंदु

- **विजेताओं के बारे में:**
  - उन्हे यह सम्मान **सैन्य टोही, अन्वेषण और साहसिक कार्यों में उत्कृष्ट योगदान** के लिये दिया गया है।
  - वर्ष 2023 के लिये पुरस्कार विजेताओं में वायुसेना **के विंग कमांडर डी. पांडा** और नौसेना **के इलेक्ट्रिकल आर्टिफिसर (रेडियो) राहुल कुमार पांडे** शामिल थे।
  - वहीं वर्ष 2024 के लिये **नौसेना के चीफ इलेक्ट्रिकल एयरक्राफ्ट आर्टिफिसर (रेडियो) राम रतन जाट** और **वायुसेना के सार्जेंट झूमर राम पूनिया** को पदक से सम्मानित किया गया।
  - इसके अलावा अरुणाचल प्रदेश में राष्ट्रीय पर्वतारोहण और साहसिक खेल संस्थान के निदेशक **कर्नल रणवीर सिंह जामवाल** को भी सम्मानित किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **मैकग्रेगर मेमोरियल मेडल**
  - मैकग्रेगर मेमोरियल मेडल यूनाइटेड सर्विस इंस्टीट्यूशन ऑफ़ इंडिया (USI) के संस्थापक मेजर जनरल **सर चार्ल्स मेटकाफ मैकग्रेगर** की याद में दिया जाता है।
  - इस पुरस्कार की स्थापना 3 जुलाई, 1888 में गयी थी।
  - इस पुरस्कार का मुख्य उद्देश्य सैन्य बलों द्वारा की गई **टोही और खोजपूर्ण यात्राओं को सम्मानित करना** था, लेकिन वर्ष **1986 में इस पुरस्कार के दायरे को बढ़ाकर** इसमें **सैन्य अभियानों और साहसिक गतिविधियों** को भी शामिल कर लिया गया।
  - यह पुरस्कार अब भारतीय सशस्त्र बलों, **प्रादेशिक सेना, रिज़र्व बलों, राष्ट्रीय राइफल्स और असम राइफल्स** के सभी सेवारत और सेवानिवृत्त रैंकों के लिये खुला है।
  - अब तक कुल **127 मैकग्रेगर मेडल** प्रदान किये जा चुके हैं, जिनमें से **103 पदक स्वतंत्रता से पहले** के हैं।

चीफ ऑफ डिफेंस स्टाफ (CDS)

- CDS 'चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी' के स्थायी अध्यक्ष के रूप में कार्य करता है जिसमें तीनों सेवाओं के प्रमुख भी सदस्य होंगे।
  - उसका मुख्य कार्य भारतीय सेना की त्रि-सेवाओं के बीच अधिक-से-अधिक परिचालन तालमेल को बढ़ावा देना और अंतर-सेवा विरोधाभास को कम-से-कम करना है।
- **वह रक्षा मंत्रालय में नवनिर्मित सैन्य मामलों के विभाग (DMA) का प्रमुख भी है।**
  - वह सेना के तीनों अंगों के मामले में रक्षा मंत्री के प्रमुख सैन्य सलाहकार के रूप में कार्य करेगा, लेकिन इसके साथ ही तीनों सेनाओं के अध्यक्ष रक्षा मंत्री को अपनी सेनाओं के संबंध में सलाह देना जारी रखेंगे।
  - DMA के प्रमुख के तौर पर CDS को चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के स्थायी अध्यक्ष के रूप में अंतर-सेवा खरीद निर्णयों को प्राथमिकता देने का अधिकार प्राप्त है।
- CDS को तीनों प्रमुखों को निर्देश देने का अधिकार भी दिया गया है।
  - हालाँकि उसे सेना के किसी भी कमांड का अधिकार प्राप्त नहीं है।
- CDS का पद समकक्षों में प्रथम है, उसे DoD (रक्षा विभाग) के भीतर सचिव का पद प्राप्त है और उसकी शक्तियाँ केवल राजस्व बजट तक ही सीमित रहेंगी।
- वह परमाणु कमान प्राधिकरण (NCA) में सलाहकार की भूमिका भी निभाता है।

जीआई टैगिंग में उत्तर प्रदेश प्रथम

चर्चा में क्यों?

प्रधानमंत्री ने अपने वाराणसी दौरे के दौरान **उत्तर प्रदेश के 21 पारंपरिक उत्पादों को** भौगोलिक संकेतक (GI) **टैग** प्रमाण-पत्र प्रदान किये।

मुख्य बिंदु

- **GI प्रमाण-पत्र प्राप्त उत्पाद:**
  - **वाराणसी**
    - बनारसी तबला, बनारसी भरवा मिर्च, शहनाई, मेटल कास्टिंग क्राफ्ट, म्यूरल पेंटिंग, लाल पेड़ा, ठंडाई, तिरंगी बर्फी और चिरईगांव का करौंदा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **बरेली**
  - बरेली का फर्नीचर, जरी जरदोजी, **टेराकोटा**,
- मथुरा
  - मथुरा की सांझी क्राफ्ट,
- अन्य ज़िलों के उत्पाद
  - बुंदेलखंड का काठिया गेहूँ,
  - पीलीभीत की बाँसुरी,
  - चित्रकूट का वुड क्राफ्ट,
  - आगरा का स्टोन इनले वर्क
  - जौनपुर की इमरती।
- उत्तर प्रदेश अब **77 GI टैग** के साथ **भारत का शीर्ष राज्य** बन गया है।
- **काशी क्षेत्र** के अकेले **32 GI टैग प्राप्त उत्पाद** हैं, जिससे यह **दुनिया के GI हब** में शामिल हो गया है।

- **महत्त्व:**
  - **कानूनी संरक्षण** मिलने से नकली उत्पादों पर रोक लगेगी और मौलिक उत्पादकों की **बाज़ार में विश्वसनीयता** बढ़ेगी।
  - **आर्थिक दृष्टि से**, GI टैग से उत्पादों की **ब्रांड वैल्यू** बढ़ेगी और **निर्यात को बढ़ावा** मिलेगा।
  - **स्थानीय स्तर पर रोज़गार के नए अवसर** सृजित होंगे।

भौगोलिक संकेत (GI) टैग

- भौगोलिक संकेत (GI) टैग, एक ऐसा **नाम या चिह्न** है जिसका **उपयोग उन विशेष उत्पादों पर किया जाता है** जो किसी विशिष्ट भौगोलिक स्थान या मूल से संबंधित होते हैं।
- GI टैग यह सुनिश्चित करता है कि केवल **अधिकृत उपयोगकर्त्ताओं या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वाले लोगों** को ही लोकप्रिय उत्पाद के नाम का उपयोग करने की अनुमति है।
- यह उत्पाद को दूसरों द्वारा नकल या अनुकरण किये जाने से भी बचाता है।
  - एक पंजीकृत GI टैग **10 वर्षों के लिये वैध** होता है।
- GI पंजीकरण की देखरेख वाणिज्य तथा उद्योग मंत्रालय के अधीन उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग द्वारा की जाती है।
- **विधिक ढाँचा:**
  - यह बौद्धिक संपदा अधिकार के व्यापार-संबंधित पहलुओं (TRIPS) पर WTO समझौते द्वारा विनियमित एवं निर्देशित है।

एक केजीबीवी, एक खेल' योजना

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालयों (KGBV) में पढ़ने वाली बालिकाओं की खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिये '**एक केजीबीवी, एक खेल**' योजना की शुरुआत की है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - यह योजना बालिकाओं को खेल के क्षेत्र में विशेष प्रशिक्षण देने के साथ-साथ उन्हें **शारीरिक, मानसिक और सामाजिक विकास** की दिशा में प्रोत्साहित करने का प्रयास है।
  - सरकार का उद्देश्य **पिछड़े और वंचित समुदायों की बालिकाओं** को खेल में विशेषज्ञता प्राप्त कराना और उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा के लिये तैयार करना है।
  - 73 में से प्रत्येक ज़िले से **दो KGBV विद्यालयों** (कानपुर देहात को छोड़कर, जिसमें केवल एक है) को पायलट प्रोजेक्ट में शामिल किया जाएगा।
- **खेल चयन प्रक्रिया:** प्रत्येक विद्यालय में एक खेल समिति का गठन होगा, जो छात्राओं की रुचि और संसाधनों के आधार पर खेल का चयन करेगी।
- **प्रशिक्षण:** खेल विशेषज्ञों की सहायता से छात्राओं को **विशेष खेल प्रशिक्षण** दिया जाएगा। इसके साथ ही, स्वास्थ्य परीक्षण, पोषण और स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम भी आयोजित किये जाएंगे।
- **समाज और विभागीय सहयोग:** पूर्व राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को बुलाकर छात्राओं को प्रेरित किया जाएगा और उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली बालिकाओं को पुरस्कार भी दिये जाएंगे।
- **खेल संघों और कॉर्पोरेट सहयोग:** राज्य और राष्ट्रीय स्तर के खेल संघों के साथ-साथ कॉर्पोरेट समूहों से भी सहयोग लिया जाएगा, जिससे आवश्यक खेल सामग्री और अन्य सुविधाएँ उपलब्ध कराई जा सकेंगी।

कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय (KGBV) योजना

- **KGBV योजना** को भारत सरकार ने **अगस्त 2004** में शुरू किया था। इस योजना का उद्देश्य दुर्गम और शैक्षिक रूप से पिछड़े क्षेत्रों में अनुसूचित जाति (SC), अनुसूचित जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों को **उच्च प्राथमिक स्तर पर आवासीय विद्यालयों** के माध्यम से **गुणवत्तापूर्ण शिक्षा** उपलब्ध कराना है।
- KGBV योजना को **शैक्षिक रूप से पिछड़े ब्लॉकों (EBB)** में लागू किया जाता है, जहाँ **ग्रामीण महिला साक्षरता दर राष्ट्रीय औसत से कम** है और **लिंग आधारित साक्षरता अंतर** राष्ट्रीय औसत से अधिक है।
- योजना के तहत कुल सीटों में से **75% सीटें SC, ST, OBC और अल्पसंख्यक समुदायों की लड़कियों के लिये आरक्षित** हैं, जबकि **शेष 25% सीटें** गरीबी रेखा से नीचे (BPL) जीवन यापन करने वाली लड़कियों को दी जाती हैं।
- इस योजना के तहत **10 से 18 वर्ष की आयु वर्ग की लड़कियाँ**, विशेषकर वे जो **वंचित पृष्ठभूमि से हैं** या **कम महिला साक्षरता वाले क्षेत्रों** में निवास करती हैं, नामांकन के लिये पात्र होती हैं।
  - इसके अतिरिक्त, **जिन लड़कियों ने प्राथमिक शिक्षा पूरी नहीं की है**, या **कठिन परिस्थितियों में जीवन व्यतीत कर रही हैं**, उन्हें भी अपवादस्वरूप नामांकन दिया जा सकता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **KGBV योजना का दायरा उन क्षेत्रों तक है जहाँ-**
  - **जनजातीय, SC, OBC और अल्पसंख्यक आबादी का संकेन्द्रण** हो,
  - **कम महिला साक्षरता दर** हो या **स्कूल से बाहर लड़कियों की संख्या अधिक** हो,
  - **छोटी और बिखरी बस्तियाँ हों**, जो विद्यालय के योग्य न हों।
- वर्तमान में, KGBV योजना के अंतर्गत **प्रत्येक EBB में कम-से-कम एक विद्यालय** की स्थापना की जाती है, जो **कक्षा VI से XII तक** की लड़कियों को **आवासीय सुविधा सहित शिक्षा** प्रदान करता है।

लड़ाकू विमान राफेल और मिराज

चर्चा में क्यों

फ्राँस की विमान निर्माता कंपनी डसॉल्ट एविएशन नोएडा एयरपोर्ट परिसर में भारतीय वायुसेना के राफेल और **मिराज-2000** लड़ाकू विमानों की **मरम्मत और रखरखाव और ओवरहाल (MRO)** का कार्य करेगी। कंपनी इसके लिये एक **उत्कृष्टता केंद्र (Centre of Excellence)** और एक **विश्वविद्यालय** की स्थापना भी करेगी।

मुख्य बिंदु

- **मुद्दे के बारे में:**
  - MRO सुविधा के लिये **1365 हेक्टेयर भूमि** अधिगृहीत की गई है, जो **नोएडा इंटरनेशनल एयरपोर्ट** के पास स्थित है।
  - डसॉल्ट द्वारा स्थापित **सेंटर ऑफ एक्सीलेंस** में **हाईस्कूल, पॉलिटेक्निक और ग्रेजुएशन स्तर** के एयरोनॉटिकल **और एवियोनिक्स पाठ्यक्रम** शुरू किये जाएँगे।
  - इसका उद्देश्य भारत में MRO क्षमता को बढ़ाकर विदेशी निर्भरता को कम करना, डिफेंस सेक्टर में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देना और FDI (Foreign Direct Investment) को आकर्षित करके राज्य में निवेश और रोज़गार के अवसरों को बढ़ाना है।
  - कंपनी को **FDI नीति** के तहत ₹12 **करोड़ की सब्सिडी** भी मिलेगी।
  - भारत में **MRO उद्योग** 2021 में **1.7 बिलियन डॉलर** का था, जो **2030 तक 7 बिलियन डॉलर** तक पहुँचने का अनुमान है।
  - भारत में **713 एयरक्राफ्ट** हैं, जो **2031 तक 1522** तक बढ़ सकते हैं। भारतीय वायुसेना के पास **36 राफेल** और **50 मिराज-2000** विमान हैं।
  - भारत अब **राफेल और मिराज जैसे अत्याधुनिक विमानों** की **मेंटेनेंस के लिये अमेरिका, चीन और सिंगापुर** जैसे देशों पर निर्भर नहीं रहेगा।
  - **महत्त्व:**
    - भारतीय वायुसेना की **रखरखाव लागत** और **समय** में कमी आएगी।
    - भारत की **रणनीतिक स्वायत्तता** और **रक्षा तैयारियाँ** मज़बूत होंगी।
    - **स्थानीय रोज़गार, तकनीकी शिक्षा** और **औद्योगिक विकास** को बढ़ावा मिलेगा।
    - भारत का **MRO उद्योग** वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धी बन सकता है।
    - **उत्तर प्रदेश** को विमानन क्षेत्र में एक **नई पहचान** मिलेगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

राफेल के बारे में

- राफेल (Rafale) फ्राँस का डबल इंजन वाला और मल्टीरोल लड़ाकू विमान है, जिसे फ्राँस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी द्वारा डिज़ाइन किया गया है।
- इस लड़ाकू विमान में अत्याधुनिक तकनीक का प्रयोग किया गया है और यह एक 4.5 जेनरेशन (4.5 Generation) वाला लड़ाकू विमान है।
- राफेल लड़ाकू विमान में मौजूद मीटीओर मिसाइल (Meteor Missile), SCALP क्रूज मिसाइल (Scalp Cruise Missile) और MICA मिसाइल प्रणाली (MICA Missile System) इसे सुरक्षा की दृष्टि से काफी महत्त्वपूर्ण बनाती हैं।
- राफेल 2,222.6 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार और 50,000 फीट की ऊँचाई तक उड़ सकता है।
- यह लड़ाकू विमान लगभग 15.27 मीटर लंबा है और यह अपने साथ एक बार में 9,500 किलोग्राम बम और गोला-बारूद ले जा सकता है।

15वीं हॉकी सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप 2025

चर्चा में क्यों?

पंजाब ने **मध्य प्रदेश** को हराकर **15वीं हॉकी इंडिया सीनियर पुरुष राष्ट्रीय चैंपियनशिप, 2025** जीत ली है। वहीं उत्तर प्रदेश ने मणिपुर को हराकर तीसरा स्थान हासिल किया।

मुख्य बिंदु:

- **चैंपियनशिप के बारे में:**
  - इस चैंपियनशिप का आयोजन **4 से 15 अप्रैल** तक **उत्तर प्रदेश के झाँसी** स्थित **मेजर ध्यानचंद हॉकी स्टेडियम** में किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- हॉकी इंडिया के अनुसार, टूर्नामेंट में वही **डिवीज़न-आधारित प्रारूप** अपनाया गया, जो सीनियर महिला राष्ट्रीय चैंपियनशिप में लागू किया गया था।
  - इस प्रतियोगिता में कुल 30 टीमों ने भाग लिया और इन्हें तीन डिवीज़नों — **डिवीज़न A, डिवीज़न B और डिवीज़न C** में विभाजित किया गया था।

मेजर ध्यानचंद

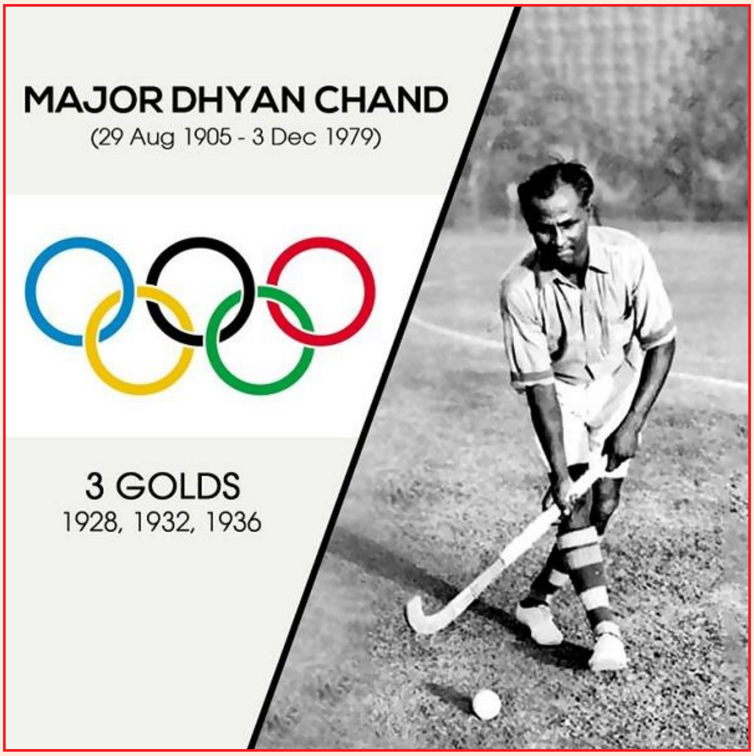

- **मेजर ध्यानचंद एक फील्ड हॉकी खिलाड़ी थे जिन्होंने वर्ष 1926 से 1949 तक अंतर्राष्ट्रीय हॉकी खेली।**
  - वह **तीन बार के ओलंपिक स्वर्ण पदक विजेता** थे, जिन्होंने **वर्ष 1928, 1932 और 1936** के ओलंपिक संस्करणों में स्वर्ण पदक हासिल किया था।
- **खेल में उनके असाधारण कौशल के चलते उन्हें 'हॉकी के जादूगर' की उपाधि दी गई।**
  - ध्यानचंद ने अपने भाई रूप सिंह के साथ मिलकर भारत के 35 गोलों की संख्या में महत्त्वपूर्ण योगदान दिया, जिसके चलते उन्हें **'हॉकी ट्विन्स'** के नाम से भी जाना गया।
  - **वर्ष** 1934 में ध्यानचंद को **भारतीय टीम की कप्तानी से** सम्मानित किया गया।
- मेजर ध्यानचंद वर्ष 1956 में सेना में मेजर पद से सेवानिवृत्त हुए और उन्हें **पद्म भूषण** से सम्मानित किया गया।
- हर साल **29 अगस्त** को **मेजर ध्यानचंद की जयंती** पर उनके योगदान को सम्मान देने और **खेल संस्कृति** को बढ़ावा देने के लिये **राष्ट्रीय खेल दिवस** मनाया जाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

पीएम सूर्य घर योजना

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने प्रधानमंत्री सूर्य घर योजना के अंतर्गत सोलर रूफटॉप संयंत्रों की **स्थापना दर दोगुनी** करने का निर्णय लिया है।

मुख्य बिंदु

- **वर्तमान स्थिति:**
  - राज्य में अब तक **एक लाख से अधिक** सोलर संयंत्र स्थापित किये जा चुके हैं। वर्तमान में **प्रतिमाह लगभग 11,000 सोलर प्लांट** लगाए जा रहे हैं, अर्थात **प्रतिदिन औसतन 500 से अधिक** संयंत्रों की स्थापना हो रही है।
- **लक्ष्य:**
  - सरकार का लक्ष्य **2025-26 में 2.65 लाख प्लांट लगाना है**, जिससे मासिक स्थापना दर बढ़कर 22,000 हो जाएगी।
    - **मार्च 2027 तक कुल 8 लाख सोलर रूफटॉप प्लांट लगाने का लक्ष्य है।** इस प्रक्रिया में तेज़ी लाने के लिये 2,500 से अधिक विक्रेताओं को सूचीबद्ध किया गया है और लगभग 1,800 विक्रेताओं को प्रशिक्षित किया गया है।
- **बहु-स्तरीय योजना निर्माण:**
  - लक्ष्य को **ज़िला, डिस्कॉम, नगर निगम** और **नगर पालिका स्तर** पर बाँटा गया है।
  - योजना को **मुख्यमंत्री डैशबोर्ड** से जोड़ा गया है, जिससे इसकी **रीयल टाइम मॉनिटरिंग** और **प्रगति की ट्रैकिंग** संभव हो रही है।
  - UPNEDA (**उत्तर प्रदेश नई और नवीकरणीय ऊर्जा विकास एजेंसी**) योजना को **हर घर तक पहुँचाने** के लिये प्रतिबद्ध है।
  - आवेदकों से संपर्क कर **विक्रेताओं (vendors)** को सूचीबद्ध किया जा रहा है।
    - विक्रेताओं को **बैंकों के माध्यम से ऋण और क्रेडिट गारंटी योजनाओं** का लाभ देकर उनकी **आर्थिक क्षमता मज़बूत** की जा रही है।
- **प्रशिक्षण एवं सहयोग:**
  - प्रशिक्षण कार्य **राष्ट्रीय उद्यमिता एवं लघु व्यवसाय संस्थान, कौशल विकास मंत्रालय, भारत सरकार** और UPNEDA के सहयोग से **चरणबद्ध तरीके** से किया जा रहा है।

पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना

- **परिचय:**
  - यह **योजना नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा** मंत्रालय द्वारा **फरवरी 2024** में शुरू की गई थी।
  - यह पर्याप्त वित्तीय सब्सिडी प्रदान करके और इनस्टॉलेशन में सुविधा सुनिश्चित करके **सोलर रूफटॉप सिस्टम** को अपनाने को बढ़ावा देने के लिये एक **केंद्रीय योजना है।**
  - इसका लक्ष्य भारत में **एक करोड़ परिवारों** को **मुफ्त विद्युत ऊर्जा उपलब्ध कराना है,** जो रूफटॉप सोलर पैनल वाली बिजली इकाइयाँ स्थापित करना चाहते हैं।
    - **परिवारों को प्रत्येक महीने 300 यूनिट** बिजली मुफ्त मिल सकेगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **कार्यान्वयन एजेंसियाँ: योजना का क्रियान्वयन दो स्तरों पर किया जाएगा।**
    - **राष्ट्रीय स्तर: राष्ट्रीय कार्यक्रम कार्यान्वयन एजेंसी (NPIA)** द्वारा प्रबंधित।
    - **राज्य स्तर: राज्य कार्यान्वयन एजेंसियों (SIA)** द्वारा प्रबंधित, जो संबंधित राज्यों या केंद्रशासित प्रदेशों की वितरण उपयोगिताएँ (डिस्कॉम) या विद्युत/ऊर्जा विभाग हैं।
- **सब्सिडी संरचना:** यह योजना सोलर रूफटॉप सिस्टम इनस्टॉलेशन की लागत को कम करने के लिये सब्सिडी प्रदान करती है। सब्सिडी अधिकतम **3 किलोवाट क्षमता तक सीमित** है।
    - 2 किलोवाट क्षमता तक के सोलर सिस्टम के लिये **60% सब्सिडी**।
    - 2 किलोवाट से 3 किलोवाट क्षमता के बीच सोलर सिस्टम के लिये **40% सब्सिडी**।

NSE और उत्तर प्रदेश सरकार के बीच समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर

चर्चा में क्यों?

हाल ही में **उत्तर प्रदेश सरकार** और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (NSE) के बीच एक **महत्त्वपूर्ण स**मझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किये गए हैं।

मुख्य बिंदु:

- **समझौता ज्ञापन के बारे में:**
    - यह पहल उत्तर प्रदेश की **96 लाख** सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों (MSMEs) के लिये पूंजी जुटाने के अवसरों को सुलभ बनाने के उद्देश्य से शुरू की गई है।
    - अब ये MSMEs **NSE इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म** के माध्यम से आरंभिक सार्वजनिक पेशकश (IPOs) लॉन्च करके पूंजी जुटा सकेंगी।
    - **NSE इमर्ज** एक समर्पित प्लेटफ़ॉर्म है, जिसे MSMEs को पूंजी बाज़ार से जोड़ने के लिये विकसित किया गया है। यह प्लेटफ़ॉर्म सार्वजनिक निवेश के अवसर, ब्रांड की दृश्यता बढ़ाने और व्यापक निवेशक आधार तक पहुँच प्रदान करता है।
    - समझौते के तहत NSE, उत्तर प्रदेश सरकार की सहायता से **सेमिनार, रोड शो, कार्यशालाएँ, ज्ञान सत्र और MSME कैंप** आयोजित करेगा, ताकि MSMEs के बीच IPO के प्रति जागरूकता को बढ़ाया जा सके।
    - इस पहल के माध्यम से MSME इकाइयों को **सार्वजनिक पूंजी** के साथ-साथ **निवेशकों का विश्वास** भी प्राप्त होगा।
    - **अप्रैल 2025 तक**, NSE इमर्ज प्लेटफ़ॉर्म पर कुल **612 कंपनियाँ सूचीबद्ध** हो चुकी हैं, जिन्होंने **17,003 करोड़ रुपए से अधिक की पूंजी जुटाई है**, और इनकी **कुल बाज़ार पूँजी (market capitalization) 1,76,565 करोड़ रुपए** है।
- **महत्त्व:**
    - यह पहल उत्तर प्रदेश में **औद्योगिक निवेश, रोज़गार सृजन और नवाचार** को बढ़ावा देगी।
    - MSME इकाइयों को **राष्ट्रीय और वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्द्धा करने में सहायता** मिलेगी।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- MSME नीति 2022 के तहत, **शेयर बाज़ार में सूचीबद्ध होने के लिये अधिकतम 5 लाख रुपए तक की वित्तीय सहायता** भी दी जा रही है।

नेशनल स्टॉक एक्सचेंज

- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (NSE) भारत का सबसे बड़ा वित्तीय बाज़ार है।
- वर्ष 1992 से निगमित 'नेशनल स्टॉक एक्सचेंज' एक परिष्कृत, इलेक्ट्रॉनिक बाज़ार के रूप में विकसित हुआ है, जो इक्विटी ट्रेडिंग वॉल्यूम के हिसाब से दुनिया में चौथे स्थान पर है (2021 तक)।
- नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भारत में आधुनिक, पूरी तरह से स्वचालित इलेक्ट्रॉनिक व्यापार प्रदान करने वाला पहला एक्सचेंज था।
  - नेशनल स्टॉक एक्सचेंज भारत में सबसे बड़ा निजी वाइड-एरिया नेटवर्क है।
- निफ्टी 50 नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड (NSE) का प्रमुख सूचकांक है।
- सूचकांक ब्लू चिप कंपनियों, सबसे बड़ी और सबसे अधिक तरल भारतीय प्रतिभूतियों के पोर्टफोलियो के व्यवहार को ट्रैक करता है।

नागरिक विवादों का अपराधीकरण

चर्चा में क्यों?

हाल ही में भारत के मुख्य न्यायाधीश **संजीव खन्ना** ने **उत्तर प्रदेश सरकार** की सामान्य नागरिक (सिविल) मामलों को आपराधिक मामलों **में बदलने की बढ़ती प्रवृत्ति** को लेकर कड़ी आलोचना की।

मुख्य बिंदु

- **नागरिक विवादों के अपराधीकरण के कारण**
  - **शीघ्र न्याय प्राप्ति की आकांक्षा:**
    - सिविल न्याय प्रक्रिया में होने वाली देरी से हताश वादीगण आपराधिक मुकदमे की राह अपनाते हैं, ताकि दूसरे पक्ष पर दबाव बनाकर त्वरित समाधान प्राप्त किया जा सके।
  - आपराधिक धाराओं का रणनीतिक प्रयोग:
    - **धारा 420 (धोखाधड़ी), 406 (आपराधिक न्यासभंग)** जैसी आपराधिक धाराओं का प्रयोग कर, सिविल मामलों को आपराधिक रूप देने की प्रवृत्ति बढ़ रही है। इसका उद्देश्य अक्सर निजी या राजनीतिक लाभ लेना होता है।
  - **विधिक समझ की अपर्याप्तता:**
    - कई बार पुलिस व जाँच एजेंसियों को नागरिक और आपराधिक मामलों के बीच अंतर स्पष्ट नहीं होता। परिणामस्वरूप, सामान्य संविदात्मक या व्यापारिक विवादों को भी आपराधिक शिकायत के रूप में दर्ज कर लिया जाता है।
  - **न्यायिक प्रक्रिया में विलंब:**
    - सिविल न्यायालयों में निर्णय आने में वर्षों लग सकते हैं, जिससे वादीगण हतोत्साहित हो जाते हैं। ऐसी स्थिति में वे त्वरित राहत पाने की आशा में आपराधिक मुकदमा दर्ज करवा कर विरोधी पक्ष पर दबाव बनाते हैं, ताकि विवाद शीघ्र सुलझाया जा सके।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- **सिविल विवाद और आपराधिक विवाद के बीच अंतर**

अंतर के बिंदु	सिविल विवाद	आपराधिक विवाद
विवाद की प्रकृति	• विवाद में आमतौर पर निजी पक्ष या संस्थाएँ शामिल होती हैं जो कानूनी अधिकारों या दायित्वों पर असहमति को हल करना चाहते हैं। • उदाहरण के लिये, संविदा विवाद, व्यक्तिगत क्षति का दावा, पारिवारिक कानून के मामले (विवाह-विच्छेद, बच्चे की अभिरक्षा) और संपत्ति विवाद।	• इनमें उन कानूनों का उल्लंघन शामिल होता है जिन्हें राज्य या समाज के खिलाफ अपराध माना जाता है। अपराधों पर सरकारी अधिकारियों द्वारा अभियोजन चलाया जाता है और इसका उद्देश्य अपराधी को गलत काम के लिये दंडित करना होता है। • उदाहरण के लिये, चोरी, हमला, हत्या और ड्रग अपराध।
कार्यवाही का प्रारंभ	• आमतौर पर निजी व्यक्तियों या संस्थाओं (वादी) द्वारा प्रारंभ किया जाता है जो किसी अन्य पक्ष (प्रतिवादी) के खिलाफ क्षतिपूर्ति, व्यादेश या अन्य उपचार की मांग करते हुए मुकदमा दायर करते हैं।	• सरकार द्वारा प्रारंभ किया गया, एक अभियोजक द्वारा प्रतिनिधित्व किया गया, जो अपराध करने के अभियुक्त किसी व्यक्ति या इकाई के खिलाफ आरोप दायर करता है।
सबूत का भार	• भार आमतौर पर वादी पर होता है, जिसे सबूतों की प्रबलता से अपना मामला स्थापित करना होता है। • इसका अर्थ यह है कि उन्हें यह दिखाना होगा कि इस बात की अधिक संभावना है कि प्रतिवादी उत्तरदायी है।	• यह भार अभियोजन पक्ष पर होता है और इसे उचित संदेह से परे साबित किया जाना चाहिये। • यह अभियुक्त के अधिकारों की रक्षा के लिये बनाया गया एक अधिक मांग वाला मानक है।
कार्यवाही का उद्देश्य	• क्षतिग्रस्त पक्ष या पक्षों को उपचार प्रदान करना। • उपचारों में मौद्रिक प्रतिकर (नुकसान), विनिर्दिष्ट पालन, या व्यादेश शामिल हो सकते हैं।	• कानूनों के उल्लंघन के लिये अपराधी को दंडित करना और दूसरों को समान अपराध करने से भयोपरत करना। • समाज का पुनर्वास और सुरक्षा भी महत्त्वपूर्ण लक्ष्य हैं।

लखनऊ में सांसद खेल महाकुंभ

चर्चा में क्यों?

19 से 22 अप्रैल, 2025 तक उत्तर प्रदेश के **लखनऊ** स्थित **के.डी. सिंह बाबू स्टेडियम** में **सांसद खेल महाकुंभ** का आयोजन किया गया।

मुख्य बिंदु

- **सांसद खेल महाकुंभ के बारे में:**
  - इस आयोजन का उद्देश्य खेलो इंडिया अभियान की भावना के अनुरूप युवाओं में खेल भावना, स्वस्थ जीवनशैली और स्वदेशी खेलों को बढ़ावा देना था।
  - इस खेल महाकुंभ में **एथलेटिक्स, वॉलीबॉल,** कबड्डी, बास्केटबॉल, फुटबॉल, हॉकी, बॉक्सिंग **और** ताइक्वांडो जैसे आधुनिक खेलों के साथ-साथ कलारीपयट्टू, योगासन और **मलखंब** जैसे पारंपरिक और स्वदेशी खेलों का भी प्रदर्शन किया गया।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- **प्रतियोगिता दो श्रेणियों में आयोजित की गई:**
  - **जूनियर कैटेगरी:** कक्षा **9 से 12** तक के छात्र।
  - **सीनियर कैटेगरी: डिग्री कॉलेज और विश्वविद्यालय** के छात्र।
- **प्रतिभागी:**
  - कुल 10,000 **खिलाड़ियों** में से 2,500 खिलाड़ियों का चयन किया गया।
  - चयन प्रक्रिया **ज़िला स्तर पर आठ ज़ोन** में आयोजित की गई प्रतियोगिताओं के माध्यम से की गई।
  - विजेताओं को आठ लाख रुपए का नकद पुरस्कार दिया गया।

रेशम सखी योजना

चर्चा में क्यों ?

उत्तर प्रदेश सरकार ने ग्रामीण महिलाओं को **आर्थिक रूप से सशक्त** बनाने के उद्देश्य से **रेशम सखी योजना** शुरू की है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **योजना के बारे में:**
  - इस योजना के अंतर्गत महिलाएँ घर बैठे रेशम उत्पादन (Sericulture) से **आय अर्जित** कर सकेंगी।
  - यह योजना **राज्य ग्रामीण आजीविका मिशन** और **रेशम विभाग** के संयुक्त प्रयास से लागू की जा रही है।
  - **इस योजना** के तहत ग्रामीण क्षेत्रों की महिलाओं को रेशम कीट पालन का प्रशिक्षण दिया जाएगा, ताकि वे **शहतूत रेशम** और **तसर रेशम** का उत्पादन अपने घर पर ही कर सकें।
    - **शहतूत रेशम पालन** का प्रशिक्षण कर्नाटक के मैसूर में और **तसर रेशम पालन** का प्रशिक्षण **झारखंड के** राँची में दिया जाएगा।
  - योजना का लक्ष्य है कि **अगले 5 वर्षों में 50,000 महिलाओं** को इससे जोड़ा जाए। पहले चरण में वर्ष **2025-26 तक 15 ज़िलों की 7500 महिलाओं** को इससे जोड़ा जाएगा।
- **महत्त्व:**
  - **ग्रामीण अर्थव्यवस्था में सुधार** होगा क्योंकि महिलाएँ स्थानीय संसाधनों से आय अर्जित कर सकेंगी।
  - महिला सशक्तीकरण को बढ़ावा मिलेगा, जिससे सामाजिक असमानताओं को कम करने में मदद मिलेगी।
  - **रेशम उद्योग** का **विस्तार और विविधीकरण** होगा, जिससे राज्य की आर्थिक वृद्धि को नया आयाम मिलेगा।
  - शहरी पलायन में कमी आएगी क्योंकि महिलाएँ अपने गाँव में ही रोज़गार प्राप्त कर सकेंगी।

रेशम उत्पादन

- यह कृषि आधारित उद्योग है। इस उद्योग में कच्चे रेशम के उत्पादन के लिये रेशम के कीड़ों का पालन किया जाता है।
- रेशम उत्पादन के मुख्य क्रिया-कलापों में रेशम कीटों के आहार के लिये खाद्य पौधों की कृषि तथा कीटों द्वारा बुने हुए कोकूनों से रेशम तंतु निकालना, इसका प्रसंस्करण तथा बुनाई आदि की प्रक्रिया सन्निहित है।
  - कच्चा रेशम बनाने के लिये रेशम के कीटों का पालन **सेरीकल्चर या रेशमकीट पालन** कहलाता है।
    - घरेलू रेशम के कीड़ों (बॉम्बेक्स मोरी) को सेरीकल्चर के उद्देश्य से पाला जाता है।
- **भारत में रेशम उत्पादन:**
  - रेशम के कीड़ों की विभिन्न प्रजातियों से प्राप्त वाणिज्यिक महत्त्व के रेशम के कुल पाँच प्रमुख प्रकार होते हैं।
    - ये हैं- **मलबरी** (Mulberry), **ओक टसर** (Oak Tasar), **ट्रॉपिकल टसर** (Tropical Tasar), **मूंगा** (Muga) **और एरी** (Eri)।
  - मलबरी के अलावा रेशम की अन्य किस्में जंगली प्रकार की किस्में होती हैं, जिन्हें सामान्य रूप में 'वन्या' (Vanya) कहा जाता है।
  - भारत में रेशम की इन सभी वाणिज्यिक किस्मों का उत्पादन होता है।
  - दक्षिण भारत देश का प्रमुख रेशम उत्पादक क्षेत्र है और यह क्षेत्र कांचीपुरम, धर्मावरम, आर्नी आदि बुनाई के लिये भी काफी प्रसिद्ध है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

फोरेंसिक हैकाथॉन 2025 में IIT BHU को शीर्ष सम्मान प्राप्त

चर्चा में क्यों ?

भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (BHU), वाराणसी के **स्कूल ऑफ बायोकेमिकल इंजीनियरिंग** की शोध टीम ने **फोरेंसिक हैकाथॉन 2025** में **शीर्ष सम्मान** प्राप्त किया है।

- यह हैकाथॉन राष्ट्रीय फोरेंसिक विज्ञान विश्वविद्यालय (NFSU) द्वारा आयोजित **अखिल भारतीय फोरेंसिक विज्ञान शिखर सम्मेलन** का हिस्सा था।

मुख्य बिंदु

- **पुरस्कार के बारे में:**
  - यह पुरस्कार **केंद्रीय गृह मंत्री** द्वारा **नई दिल्ली स्थित विज्ञान भवन** में प्रदान किया गया।
  - टीम को उनके **अभिनव शोध** के लिये **दो लाख रुपए नकद पुरस्कार** और एक **स्मृति चिह्न** प्रदान किया गया।
- **विकसित तकनीक**
  - इस टीम ने **ग्लाइकेन-आधारित फोरेंसिक तकनीक** विकसित की है, जो **जैविक तरल पदार्थों** के आधार पर **सटीक आयु अनुमान** की सुविधा देती है अर्थात इससे डीएनए **के बिना भी किसी व्यक्ति की सही आयु का अनुमान लगाया जा सकता है।**
  - यह तकनीक **ग्लाइकोमिक प्रोफाइलिंग** को **मशीन लर्निंग एल्गोरिद्म** के साथ जोड़ती है ताकि **कालानुक्रमिक आयु** और **जैविक आयु** दोनों का अनुमान लगाया जा सके।
  - वर्तमान में प्रचलित **डीएनए-आधारित फोरेंसिक विश्लेषण**, जिसमें **एपिजेनेटिक मार्कर** शामिल होते हैं, में **जैविक परिवर्तनशीलता** और **तकनीकी सीमाएँ** होती हैं।
  - **डीएनए मिथाइलेशन-आधारित मॉडल** के लिये अक्सर **प्राचीन और अच्छी गुणवत्ता वाले डीएनए** की आवश्यकता होती है, जो फोरेंसिक मामलों में अनुपलब्ध हो सकते हैं।
- **महत्त्व**
  - इस नवाचार के ज़रिये अपराध स्थल से प्राप्त **नमूनों के आधार पर संदिग्धों की प्रोफाइलिंग** को अधिक सटीक बनाया जा सकता है, विशेष रूप से तब, जब डीएनए मिलान उपलब्ध न हो।
  - यह तकनीक **लापता व्यक्तियों की पहचान**, **सामूहिक आपदाओं में अज्ञात पीड़ितों की पहचान** तथा **किशोर होने या उम्र के गलत विवरण के दावों** की पुष्टि करने में उपयोगी हो सकती है।
  - जैविक आयु किसी व्यक्ति के **स्वास्थ्य**, **प्रतिरक्षा स्थिति** और **तनाव** के बारे में महत्त्वपूर्ण साक्ष्य देती है, जो अपराध **के पुनर्निर्माण** में मदद कर सकते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (DNA)

- **डीऑक्सीराइबोन्यूक्लिक एसिड (DNA)** जटिल आणविक संरचना वाला एक कार्बनिक अणु है।
- DNA अणु की किस्में **मोनोमर न्यूक्लियोटाइड्स की एक लंबी श्रृंखला से बनी होती हैं।** यह एक **डबल हेलिक्स** संरचना में व्यवस्थित है।
- **जेम्स वाटसन और फ्राँसिस क्रिक ने खोजा** कि DNA एक डबल-हेलिक्स पॉलीमर है जिसे वर्ष 1953 में बनाया गया था।
- यह एक पीढ़ी से दूसरी पीढ़ी में जीवों की आनुवंशिक विशेषता के हस्तांतरण के लिये आवश्यक है।
- DNA का अधिकांश भाग कोशिका के केंद्रक में पाया जाता है इसलिये इसे केंद्रीय DNA कहा जाता है।

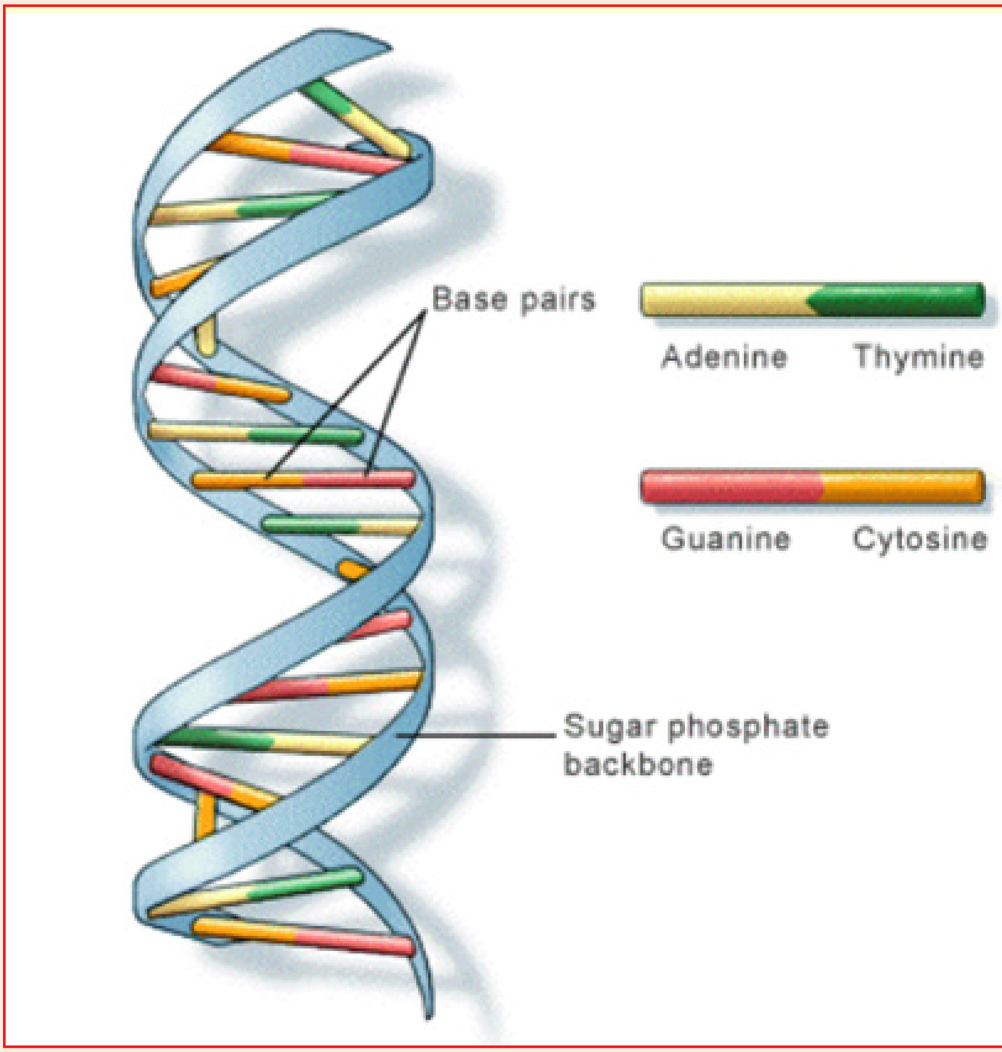

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025
SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस
SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स
SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप
SCAN ME

BBAU को बायो-प्लास्टिक के उत्पादन के लिय पेटेंट मिला

चर्चा में क्यों?

बाबासाहेब भीमराव अंबेडकर विश्वविद्यालय (BBAU) लखनऊ के वैज्ञानिक को **बायो-प्लास्टिक** बनाने की तकनीक के लिय **भारत सरकार द्वारा** पेटेंट प्रदान कि‍िया गया है।

मुख्य बिंदु

- यह तकनीक **गाय के गोबर और एक विशेष प्रकार के बैक्टीरिया** का उपयोग करती है, जिससे बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक तैयार किया जाता है।
- इस बायो-प्लास्टिक से **बोतलें**, **पॉलीबैग** और **अन्य उपयोगी वस्तुएँ** बनाई जा सकती हैं।
- यह प्लास्टिक पॉलीहाइड्रॉक्सी ब्यूटिरेट (PHB) पर आधारित है, जो एक **प्राकृतिक रूप से अपघटनीय** बायो-प्लास्टिक है।
- इससे पहले PHB का उत्पादन मुख्यत: **गन्ना, मक्का, गेहूँ, चावल और केले के छिलकों** जैसे बायोमास से किया जाता था, किंतु **उच्च लागत और महंगे कच्चे माल** के कारण इसका **व्यावसायिक प्रयोग सीमित** था।
- किंतु BBAU के वैज्ञानिक ने एक **संशोधित गोबर-आधारित माध्यम** विकसित किया है, जो **PHB उत्पादन की लागत को 200 गुना तक घटाता है**।
- पारंपरिक प्लास्टिक को नष्ट होने में **हज़ारों वर्ष** लगते हैं, जबकि BBAU के वैज्ञानिक द्वारा विकसित बायो-प्लास्टिक केवल **40-50 वर्षों में नष्ट** हो जाता है और **पर्यावरण को कोई नुकसान** नहीं करता।
- प्लास्टिक प्रदूषण से होने वाले **ग्लोबल वार्मिंग और** जैवविविधता **पर प्रभाव** की पृष्ठभूमि में यह शोध पर्यावरण के संरक्षण की दिशा में एक नया मार्ग प्रशस्त करता है।

बायो-प्लास्टिक

- बायो-प्लास्टिक्स को **गन्ना**, **मक्का** जैसे **नवीकरणीय कार्बनिक** स्रोतों से प्राप्त किया जाता है, जबकि पारंपरिक प्लास्टिक पेट्रोलियम से बने होते हैं। वे **हमेशा बायोडिग्रेडेबल या कम्पोस्ट करने योग्य नहीं होते हैं।**
- बायो-प्लास्टिक का उत्पादन **मकई और गन्ने जैसे पौधों से चीनी निकालकर और उसे पॉलीलैक्टिक एसिड (PLA)** में परिवर्तित करके किया जाता है। वैकल्पिक रूप से, उन्हें सूक्ष्मजीवों से **पॉलीहाइड्रॉक्सीएल्कानोएट्स (PHA)** से बनाया जा सकता है जिन्हें फिर **बायो-प्लास्टिक** में **पॉलीमराइज़** किया जाता है।
- बायो-प्लास्टिक का उत्पादन **कार्बन डाइऑक्साइड (CO_2)** को अवशोषित करता है और एक **तटस्थ या संभावित रूप से नकारात्मक कार्बन संतुलन** में योगदान देता है, जिससे जीवाश्म-आधारित प्लास्टिक की तुलना में **कार्बन फुटप्रिंट** को कम करने में मदद मिलती है।
- पारंपरिक प्लास्टिक के विपरीत, बायो-प्लास्टिक में **थ्यालेट्स (Phthalates)** जैसे हानिकारक रसायन नहीं होते हैं, जो मानव स्वास्थ्य के लिये खतरनाक माने जाते हैं।
- बायो-प्लास्टिक **पारंपरिक प्लास्टिक की तरह ही मज़बूत और धारणीय होते हैं, जिससे वे खाद्य पैकेजिंग, कृषि और चिकित्सा आपूर्ति** जैसे विभिन्न अनुप्रयोगों में उपयोग के लिये आदर्श होते हैं।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट:

मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने बेटियों की शादी का खर्च उठाने में असमर्थ गरीब और ज़रूरतमंद परिवारों को राहत देने के लिये मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना में बदलाव किया है।

मुख्य बिंदु

- **योजना में परिवर्तन:**
  - **मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना** के तहत अब 51,000 रुपए के बजाए **1 लाख रुपए** की सहायता दी जाएगी, जो तीन भागों में वितरित होगी:
    - 75,000 रुपए सीधे **कन्या के बैंक खाते** में ट्रांसफर किये जाएंगे।
    - 10,000 रुपए **कपड़े, उपहार और आवश्यक सामान** हेतु मिलेंगे।
    - 15,000 रुपए **शादी के आयोजन** पर खर्च करने के लिये दिये जाएंगे।
- **योजना के बारे में:**
  - राज्य सरकार द्वारा **सर्वधर्म-समभाव** और **सामाजिक समरसता** को बढ़ावा देने हेतु **अक्तूबर 2017** से **मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह योजना** संचालित की जा रही है।
  - योजना के अंतर्गत **विभिन्न धर्मों और समुदायों** के रीति-रिवाजों के अनुसार विवाह समारोह सम्पन्न कराए जाते हैं।
  - इसका उद्देश्य विवाह कार्यक्रमों में होने वाले **अनावश्यक प्रदर्शन और अपव्यय** को समाप्त करना भी है।
  - यह योजना **गरीब,** अनुसूचित जाति (SC), जनजाति (ST), अन्य पिछड़ा वर्ग (OBC) और अल्पसंख्यक समुदायों के लिये है।
    - **विधवा, परित्यक्ता और तलाकशुदा** महिलाओं के विवाह की भी इस योजना में व्यवस्था की गई है।
  - नगर निकायों और पंचायती राज संस्थाओं के स्तर पर पंजीकरण की व्यवस्था है।
  - सामूहिक विवाह आयोजन हेतु **न्यूनतम 10 जोड़ों** का पंजीकरण आवश्यक है।
  - **पात्रता:**
    - कन्या की **आयु 18 वर्ष** और वर की **आयु 21 वर्ष** या अधिक होनी चाहिये।
    - दोनों वर-वधू **उत्तर प्रदेश के स्थायी निवासी** हों।
    - परिवार की **वार्षिक आय** सरकार द्वारा तय सीमा के भीतर हो।

उत्तर प्रदेश में इको-पर्यटन

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने राज्य में ईको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिये बाँधों और जलाशयों को **पर्यटन** स्थलों के रूप में विकसित करने का निर्णय लिया है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

मुख्य बिंदु

- **पहल के बारे में:**
  - इस पहल के तहत **चित्रकूट**, **महोबा**, **सोनभद्र**, **हमीरपुर**, **झाँसी**, **सिद्धार्थनगर** और **बाँदा** ज़िलों के **सात प्रमुख बाँधों और झीलों** पर बुनियादी ढाँचे का निर्माण किया जाएगा।
  - इन स्थानों पर **जल और साहसिक क्रीड़ा गतिविधियों** को प्रोत्साहित करने के लिये **सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग** का सहयोग सुनिश्चित किया गया है।
  - जिन जलाशयों और बाँधों को चुना गया है, उनमें शामिल हैं:
    - **गुंता बाँध** (चित्रकूट)
    - **अर्जुन डैम** (महोबा)
    - **धंधरौल डैम** (सोनभद्र)
    - **मौदहा डैम** (हमीरपुर)
    - **गढ़मऊ झील** (झाँसी)
    - **मझौली सागर** (सिद्धार्थनगर)
    - **नवाब टैंक** (बाँदा)
  - सरकार का उद्देश्य इन जलाशयों के प्राकृतिक सौंदर्य को आधुनिक पर्यटन सुविधाओं जैसे **रिसॉर्ट**, **बोटिंग**, **वाटर स्पोर्ट्स**, **ट्रैकिंग** और **कैंपिंग** के माध्यम से और भी आकर्षक बनाना है।
  - इस योजना से **स्थानीय स्तर पर रोज़गार सृजन** और आर्थिक विकास को मज़बूती मिलेगी।
  - सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग इन परियोजनाओं के लिये तकनीकी सहायता और आवश्यक अनुमतियाँ देगा, साथ ही बाँधों की **सुरक्षा** और **संरचना** को सुरक्षित रखने के मानकों का पालन सुनिश्चित करेगा।
  - **जल क्रीड़ा** गतिविधियों के दौरान **पर्यावरण और सुरक्षा मानकों** का भी विशेष ध्यान रखा जाएगा।

इको टूरिज्म

- **परिचय**
  - **इको टूरिज्म** पर्यटन का एक ऐसा रूप है, जो **पर्यावरण के अनुकूल**, **सतत** और प्राकृतिक क्षेत्रों पर केंद्रित होता है। इसमें **प्राकृतिक क्षेत्रों** जैसे राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभयारण्यों, वर्षावनों आदि का इस तरह से भ्रमण किया जाता है कि वहाँ की जैवविविधता और **संस्कृति** को कोई क्षति न पहुँचे।
- **उद्देश्य**
  - इसका उद्देश्य **संरक्षण प्रयासों** का समर्थन करते हुए, स्थानीय समुदायों को **आर्थिक लाभ** पहुँचाना और आगंतुकों को **प्रकृति के प्रति जागरूक** करना है।
- **इको टूरिज्म के प्रकार:**
  - **वन्यजीव पर्यटन:** राष्ट्रीय उद्यानों और अभयारण्यों में जानवरों का अवलोकन।
  - **वन पर्यटन:** वर्षावनों और पर्णपाती वनों की खोज।
  - **समुद्री पर्यटन:** समुद्री जीवों का निरीक्षण।
  - **सांस्कृतिक पर्यटन:** स्वदेशी समुदायों के रीति-रिवाजों को जानना।
  - **साहसिक पर्यटन:** ट्रैकिंग, पर्वतारोहण आदि पर्यावरणीय दृष्टि से सतत गतिविधियाँ।
- **इको टूरिज्म का वैश्विक परिप्रेक्ष्य:**
  - संयुक्त राष्ट्र विश्व पर्यटन संगठन (UNWTO) ने इको टूरिज्म को सतत विकास के साधन के रूप में मान्यता दी है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

कान्हा गौशाला

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के आगरा नगर निगम की **कान्हा गोशाला** में **दो मेगावाट** क्षमता का सौर ऊर्जा संयंत्र स्थापित किया जाएगा, जिससे यह प्रदेश की पहली ऐसी गोशाला बन जाएगी जो बड़े पैमाने पर नवीकरणीय ऊर्जा का उत्पादन और उपयोग करेगी।

मुख्य बिंदु

- **कान्हा गोशाला के बारे में:**
  - यह परियोजना नगर निगम द्वारा वर्ष 2025 तक हरित भविष्य के लक्ष्य को ध्यान में रखते हुए म्यूनिसिपल बॉण्ड योजना के तहत क्रियान्वित की जा रही है।
    - इससे न केवल गोशाला की ऊर्जा आवश्यकताएँ स्वच्छ स्रोत से पूरी होंगी, बल्कि पर्यावरणीय संरक्षण को भी मज़बूती मिलेगी।
  - गोशाला में पहले से ही **100 सोलर स्ट्रीट लाइटें** लगी हुई हैं, जो स्वच्छ ऊर्जा का उदाहरण हैं।
  - गोशाला में **गोबर** से **गोकाष्ठ** बनाया जा रहा है, जिसका उपयोग **धार्मिक अनुष्ठानों** और **अंतिम संस्कार** में लकड़ी के विकल्प के रूप में किया जा रहा है। इससे वनों की कटाई को रोकने और **पर्यावरण संरक्षण** में मदद मिल रही है।
- **अवस्थिति**
  - गोशाला ऐसी भूमि पर स्थित है, जहाँ मिट्टी **बंजर** और भूजल **खारा** है। इसके बावजूद, यहाँ मियावाकी तकनीक द्वारा 5000 वर्ग मीटर क्षेत्र में घना जंगल विकसित किया गया है, जो जैवविविधता को बढ़ावा देता है और एक प्राकृतिक **ऑक्सीजन ज़ोन** के रूप में कार्य करता है।
  - यह गोशाला अब **ऊर्जा**, **हरियाली** और **नवाचार** का एक प्रमुख मॉडल बन चुकी है।

नगर निगम बॉण्ड

- यह वे ऋण उपकरण हैं, जो शहरी स्थानीय निकाय (ULBs) द्वारा बुनियादी ढाँचे और विकास परियोजनाओं के लिये निधि जुटाने के उद्देश्य से जारी किये जाते हैं।
- **लाभ:** सरकारी निधियों पर निर्भरता कम करना, वित्तीय स्वायत्तता बढ़ाना, निजी निवेश को आकर्षित करना और दीर्घकालिक शहरी वित्तपोषण को सक्षम बनाना।
- **चुनौतियाँ:** राज्य अनुदानों पर भारी निर्भरता (वित्त वर्ष 24 में राजस्व का 38%) के कारण कम निर्गम। पुणे, अहमदाबाद, सूरत, हैदराबाद और लखनऊ जैसे कुछ ही शहरों ने बॉण्ड जारी किये हैं।
- **व्यय पैटर्न** (वित्त वर्ष 2018-2025): नगरपालिकाओं द्वारा बॉण्ड के माध्यम से जुटाई गई अधिकांश धनराशि शहरी जल आपूर्ति और सीवरेज के लिये आवंटित की गई, इसके बाद नवीकरणीय ऊर्जा और नदी विकास का स्थान रहा।

मियावाकी वृक्षारोपण विधि:

- **मियावाकी पद्यति के प्रणेता जापानी वनस्पति वैज्ञानिक अकीरा मियावाकी (Akira Miyawaki)** हैं। इस **पद्यति से बहुत कम समय में जंगलों को घने जंगलों** में परिवर्तित किया जा सकता है।
- यह **कार्यविधि 1970 के दशक में विकसित की गई थी, जिसका मूल उद्देश्य भूमि के एक छोटे से टुकड़े के भीतर हरित आवरण** को सघन बनाना था।
- इस कार्यविधि में **पेड़ स्वयं अपना विकास करते हैं और तीन वर्ष के भीतर वे अपनी पूरी लंबाई तक बढ़ जाते हैं।**
  - **मियावाकी पद्धति में उपयोग किये जाने वाले पौधे ज़्यादातर आत्मनिर्भर होते हैं और उन्हें खाद एवं जल देने जैसे नियमित रख-रखाव** की **आवश्यकता नहीं** होती है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

ताजमहल संरक्षण प्रयास

चर्चा में क्यों?

भारत के सर्वोच्च न्यायालय ने राष्ट्रीय पर्यावरण इंजीनियरिंग अनुसंधान संस्थान (NEERI) को **ताजमहल** पर **काँच उद्योगों के पर्यावरणीय प्रभाव** का आकलन करने का निर्देश दिया है।

मुख्य बिंदु

- **निर्देश के बारे में:**
  - **न्यायालय** ने NEERI को मूल्यांकन की समय-सीमा के साथ एक रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश दिया।
  - उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड को भी एक विशेष टीम गठित करने का निर्देश दिया, जो प्रभावित उद्योगों का निरीक्षण कर प्रदूषण स्तर का मूल्यांकन कर अंतरिम रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी।
  - न्यायालय ने स्पष्ट किया कि यदि काँच उद्योगों द्वारा प्रदूषण फैलाए जाने की पुष्टि होती है, तो इन इकाइयों को स्थानांतरित करने के आदेश देने में कोई संकोच नहीं किया जाएगा।
  - यह निर्देश ताज ट्रेपेज़ियम ज़ोन (TTZ) प्राधिकरण की पर्यावरणीय सुरक्षा व्यवस्था की **सर्वोच्च न्यायालय** द्वारा की गई पूर्व आलोचनाओं के संदर्भ में दिया गया है।
- **ताज ट्रैपेज़ियम ज़ोन (TTZ):**
  - यह ताजमहल को प्रदूषण से बचाने के लिये उसके चारों ओर 10,400 वर्ग किमी का निर्धारित क्षेत्र है।
  - TTZ में तीन विश्व धरोहर स्थल (**ताजमहल, आगरा किला और फतेहपुर सीकरी**) सहित कई स्मारक शामिल हैं। इसका नाम इसके समलंब चतुर्भुज आकार के कारण रखा गया है।
  - इस ज़ोन के तहत **प्रदूषण के स्तर के आधार पर उद्योगों को लाल, नारंगी, हरी और सफेद श्रेणियों** में वर्गीकृत किया गया है।
  - TTZ ढाँचा प्रदूषण नियंत्रण, वायु गुणवत्ता निगरानी और ताजमहल की पर्यावरणीय अक्षुण्णता के दीर्घकालिक संरक्षण को सुनिश्चित करने के लिये ज़िम्मेदार है।
- **ताजमहल के बारे में:**
  - **निर्माण:**
    - ताजमहल का निर्माण मुगल सम्राट शाहजहाँ ने अपनी पत्नी **मुमताज महल** की याद में कराया था। **उस्ताद अहमद लाहौरी** को इसका मुख्य वास्तुकार माना जाता है।
    - इसका निर्माण 1632 ई. में शुरू हुआ और 1648 ई. में पूरा हुआ। इसे मुगल साम्राज्य, मध्य एशिया और ईरान के कारीगरों द्वारा बनाया गया था।
  - **अवस्थिति और संरचना:**
    - ताजमहल उत्तर प्रदेश के आगरा में यमुना के दाहिने किनारे पर स्थित है। यह **17 हेक्टेयर के मुगल उद्यान** के अंदर स्थित है जिसमें चार उपविभाजित क्वार्टरों के साथ **तिमुरिद-फारसी** चारबाग शैली का अनुसरण किया गया है।
    - यह ईंट-चूने के गारे, लाल बलुआ पत्थर और सफेद संगमरमर (मुख्य संरचना के लिये **मकराना (राजस्थान) से उत्खनित**) से निर्मित है।
    - इसमें जेड, क्रिस्टल, फिरोज़ा, लैपिस लाजुली आदि रत्नों का उपयोग करके व्यापक जड़ाई कार्य किया गया था।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- मकबरा कक्ष **अष्टकोणीय** है जिसमें चार अतिरिक्त कोने वाले कमरे और एक केंद्रीय स्थल है जिसमें **मुमताज महल और शाहजहाँ** की समाधि है। मुगल परंपरा के अनुसार वास्तविक कब्रें निचले तहखाने में हैं।
- मकबरे की संरचना **वर्गाकार आकृति** की है, जिससे इसमें आठ भुजाएँ बनती हैं तथा गहरे मेहराब बने होते हैं।

◆ यूनेस्को विश्व धरोहर मान्यता:

- वर्ष 1983 में ताजमहल को यूनेस्को द्वारा विश्व धरोहर सूची में शामिल किया तथा इसे मानव रचनात्मक प्रतिभा की उत्कृष्ट कृति के रूप में मान्यता दी।
  - यह विश्व के प्रसिद्ध सात आश्चर्यों में से एक है।

◆ **संरक्षण और प्रबंधन:**

- ताजमहल को वर्ष 1920 में राष्ट्रीय महत्त्व का केंद्रीय संरक्षित स्मारक घोषित किया गया था।
  - इसका प्रबंधन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (ASI) द्वारा किया जाता है। यह **प्राचीन संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल और अवशेष अधिनियम, 1958 और 1959 नियमों** के तहत संरक्षित है और TTZ के तहत संलग्न है।

राष्ट्रीय पर्यावरण अभियांत्रिकी अनुसंधान संस्थान (NEERI)

- वर्ष 1958 में नागपुर में स्थापित NEERI, वैज्ञानिक तथा औद्योगिक अनुसंधान परिषद (CSIR) के अंतर्गत एक **प्रमुख अनुसंधान संस्थान** है, जो **विज्ञान और प्रौद्योगिकी मंत्रालय** के अधीन कार्य करता है।
  - ◆ यह अनुसंधान एवं विकास, नीति विकास और प्रौद्योगिकी नवाचार के माध्यम से पर्यावरण प्रबंधन, प्रदूषण नियंत्रण और सतत् विकास में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है।
- नागपुर में मुख्यालय वाली NEERI चेन्नई, दिल्ली, हैदराबाद, कोलकाता और मुंबई में पाँच क्षेत्रीय प्रयोगशालाएँ संचालित करती है।

हरित नगर निगम बॉण्ड

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश के गाज़ियाबाद नगर निगम ने स्वच्छ भारत मिशन-शहरी के अंतर्गत देश के पहले प्रमाणित ग्रीन म्युनिसिपल बॉण्ड के जरिये स्थायी जल प्रबंधन में अग्रणी भूमिका निभाई है।

मुख्य बिंदु

- **ग्रीन बॉण्ड के बारे में:**
  - ◆ ग्रीन बॉण्डऋण प्राप्ति का एक साधन है जिसके माध्यम से **ग्रीन परियोजनाओं** के लिये धन जुटाया जाता है, यह मुख्यत: नवीकरणीय ऊर्जा, स्वच्छ परिवहन, स्थायी जल प्रबंधन आदि से संबंधित होता है।
    - बॉण्ड जो कि आय का एक निश्चित साधन होता है, एक निवेशक द्वारा उधारकर्त्ता (आमतौर पर कॉर्पोरेट या सरकारी) को दिये गए ऋण का प्रतिनिधित्व करता है।
    - पारंपरिकबॉण्ड (ग्रीन बॉण्ड के अलावा अन्य बॉण्ड) द्वारा निवेशकों को एक निश्चित ब्याज दर (कूपन) का भुगतान किया जाता है।
  - ◆ ग्रीन बॉण्ड जारीकर्त्ता की प्रतिष्ठा को बढ़ाते हैं, क्योंकि यह सतत् विकास के प्रति उनकी प्रतिबद्धता को प्रदर्शित करने में सहायक है।
- **गाज़ियाबाद नगर निगम की भूमिका:**
  - ◆ गाज़ियाबाद नगर निगम द्वारा बॉण्ड के ज़रिये 150 करोड़ रुपए की राशि एकत्र की गई, जिसे अत्याधुनिक **तृतीयक मल-जल शोधन संयंत्र (TSTP)** के निर्माण में निवेश किया गया है। यह संयंत्र अपशिष्ट जल को उन्नत तकनीकों से उपचारित कर औद्योगिक उपयोग के लिये पुन: प्रयोग योग्य बनाता है।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

- परियोजना सार्वजनिक-निजी हाइब्रिड एन्युटी मॉडल (PPP-HAM) मॉडल पर आधारित है, जिसमें 40% निवेश गाज़ियाबाद नगर निगम द्वारा किया गया।
- इस ग्रीन बॉण्ड की सफलता ने निवेशकों का विश्वास बढाया है और **शहरी स्थानीय निकायों (ULBs)** में वित्तीय अनुशासन का उदाहरण पेश किया है।
- गाजियाबाद को **वाटर डाइजेस्ट वर्ल्ड वाटर अवाड्र्स 2024-25** में सर्वश्रेष्ठ म्यूनिसिपल ट्रीटेड वाटर अवार्ड से सम्मानित किया गया।

स्वच्छ भारत मिशन-शहरी

- **परिचय:**
  - शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई, स्वच्छता और उचित अपशिष्ट प्रबंधन को बढ़ावा देने के लिये एक राष्ट्रीय अभियान के रूप में **आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा 2 अक्तूबर, 2014 को स्वच्छ भारत मिशन-शहरी** (SBM-U) शुरू किया गया था।
- इसका उद्देश्य **पूरे भारत के शहरों और कस्बों को स्वच्छ एवं खुले में शौच से मुक्त बनाना** है।
- **स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 1.0:**
  - SBM-U का पहला चरण **शौचालयों तक पहुँच प्रदान करके और व्यवहार में परिवर्तन को बढ़ावा देकर शहरी भारत को खुले में शौच मुक्त बनाने के लक्ष्य को** प्राप्त करने पर केंद्रित था।
  - SBM-U 1.0 अपने **लक्ष्य को हासिल करने में सफल रहा और 100% शहरी भारत को ODF घोषित** किया गया।
- **स्वच्छ भारत मिशन-शहरी 2.0 (2021-2026):**
  - वर्ष 2021-22 के बजट में घोषित SBM-U 2.0, इसी योजना के पहले चरण की निरंतरता है।
  - इसके **दूसरे चरण का लक्ष्य ODF के लक्ष्यों के साथ ही ODF+ और ODF++ के लक्ष्य की ओर अग्रसर होना है तथा शहरी भारत को कचरा-मुक्त बनाने पर ध्यान केंद्रित** करना है।
  - इसमें स्थायी स्वच्छता प्रथाओं, अपशिष्ट प्रबंधन और एक चक्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने पर ज़ोर दिया गया है।

उत्तर प्रदेश चमड़ा और फुटवियर नीति-2025

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने **चमड़ा और फुटवियर नीति-2025** का मसौदा तैयार कर लिया है, जिसे जल्द ही मंज़ूरी मिलने की संभावना है।

मुख्य बिंदु

- **नीति के बारे में:**
  - **उद्देश्य**
    - **उत्पादन क्षमता** में वृद्धि करना।
    - **निर्यात** को प्रोत्साहित करना और वैश्विक ब्रांड की उपस्थिति को बढ़ाना।
    - राजस्व में वृद्धि कर राज्य को आर्थिक रूप से सशक्त बनाना।
    - उत्तर प्रदेश को "**उद्यम प्रदेश**" बनाने के दृष्टिकोण को साकार करना।
  - **रणनीतिक पहल**
    - **कानपुर** को इस क्षेत्रीय विकास रणनीति में **केंद्रीय भूमिका** दी जाएगी।
    - **इससे आगरा, कानपुर, उन्नाव, लखनऊ** और **बरेली** जैसे शहरों में क्षेत्रीय विकास को बल मिलेगा।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

नोट :

- निजी औद्योगिक पार्कों को बढ़ावा
  - निजी निवेशकों को **पूंजीगत सब्सिडी** और **100 प्रतिशत स्टांप शुल्क छूट** जैसे प्रोत्साहन।
  - सभी पार्कों को **5 वर्षों** में विकसित करना अनिवार्य।
  - कम-से-कम **25 प्रतिशत भूमि** को हरित एवं खुले क्षेत्र के लिये आरक्षित करना होगा।
  - प्रत्येक इकाई (संयंत्र, क्लस्टर या पार्क) को **₹150-200 करोड़** का न्यूनतम निवेश करना होगा।
  - एक इकाई से **1,000 से 3,000** रोज़गार के अवसर उत्पन्न होने की संभावना है।
- **उत्तर प्रदेश की वर्तमान स्थिति**
  - भारत से निर्यात होने वाले कुल चमड़े में **46 प्रतिशत** हिस्सेदारी उत्तर प्रदेश की है।
  - **आगरा** को **फुटवियर राजधानी** और **कानपुर** को **सुरक्षा जूतों और चमड़े के सामान का वैश्विक केंद्र** माना जाता है।
- **महत्त्व:**
  - यह नीति उत्तर प्रदेश को "**मेक इन इंडिया**" और "**लोकल टू ग्लोबल**" पहल के अनुरूप एक **औद्योगिक हब** के रूप में उभरने में मदद करेगी।

मेक इन इंडिया

परिचय:

- **वर्ष 2014** में लॉन्च किये गए **मेक इन इंडिया का मुख्य उद्देश्य** देश को एक अग्रणी वैश्विक **विनिर्माण और निवेश गंतव्य** में बदलना है।
- इस अभियान को **निवेश को सुविधाजनक बनाने, नवाचार एवं कौशल विकास को बढ़ावा देने,** बौद्धिक संपदा की रक्षा करने तथा सर्वश्रेष्ठ विनिर्माण बुनियादी ढाँचे का निर्माण करने के लिये शुरू किया गया था।
  - **लक्ष्य:**
    - विनिर्माण क्षेत्र की संवृद्धि दर को **बढ़ाकर 12-14% प्रतिवर्ष करना।**
    - **वर्ष 2022 तक** (संशोधित तिथि 2025) **विनिर्माण से संबंधित 100 मिलियन अतिरिक्त रोज़गार** सृजित करना।
    - **वर्ष 2025 तक सकल घरेलू उत्पाद में विनिर्माण क्षेत्र का योग**दान बढ़ाकर 25% करना।

भारत-नेपाल सीमा पर अतिक्रमण

चर्चा में क्यों?

उत्तर प्रदेश सरकार ने 25 से 27 अप्रैल, 2025 के बीच **भारत-नेपाल सीमा** से लगे ज़िलों में अवैध अतिक्रमण के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू किया।

मुख्य बिंदु

- **अभियान के बारे में:**
  - इस अभियान का उद्देश्य भारत-नेपाल सीमा क्षेत्र में अवैध निर्माणों को हटाना और सुरक्षा व्यवस्था को सुदृढ़ करना है।
  - इस अभियान के तहत सीमा से 0 से 15 किलोमीटर के दायरे में मौजूद अवैध ढाँचों को चिह्नित कर हटाया गया।
  - सरकार ने गैर-मान्यता प्राप्त **मदरसों, मस्जिदों और अन्य धार्मिक संरचनाओं** के खिलाफ कार्रवाई की।
- **प्रभावित ज़िले**
  - यह अभियान **नेपाल सीमा** से लगे **लखीमपुर खीरी, श्रावस्ती, सिद्धार्थनगर, महाराजगंज, बहराइच, बलरामपुर और पीलीभीत** ज़िलों में सक्रिय रूप से संचालित हुआ।

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें

UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME

UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME

IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME

दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME

अतिक्रमण

- अतिक्रमण का आशय **किसी और की संपत्ति का अनधिकृत उपयोग** अथवा कब्ज़ा करने से है। सामान्यत: परित्यक्त अथवा अप्रयुक्त संपत्तियों के रखरखाव में सक्रिय रूप से शामिल नहीं होने की स्थिति में संपत्ति स्वामी की संपत्ति पर अतिक्रमण कर लिया जाता है। **संपत्ति के स्वामियों** को ऐसे मामलों से संबंधित **विधिक प्रक्रिया** और अपने अधिकारों **के बारे में जागरूक होना अत्यावश्यक है।**
- शहरी अतिक्रमण का तात्पर्य शहरी क्षेत्रों में भूमि अथवा संपत्ति के **अनधिकृत कब्ज़े** अथवा उपयोग से है।
- इसमें उचित अनुमति अथवा कानूनी अधिकारों के बिना **संपत्ति पर अवैध निर्माण, कब्ज़ा अथवा किसी अन्य प्रकार का कब्ज़ा** शामिल हो सकता है।

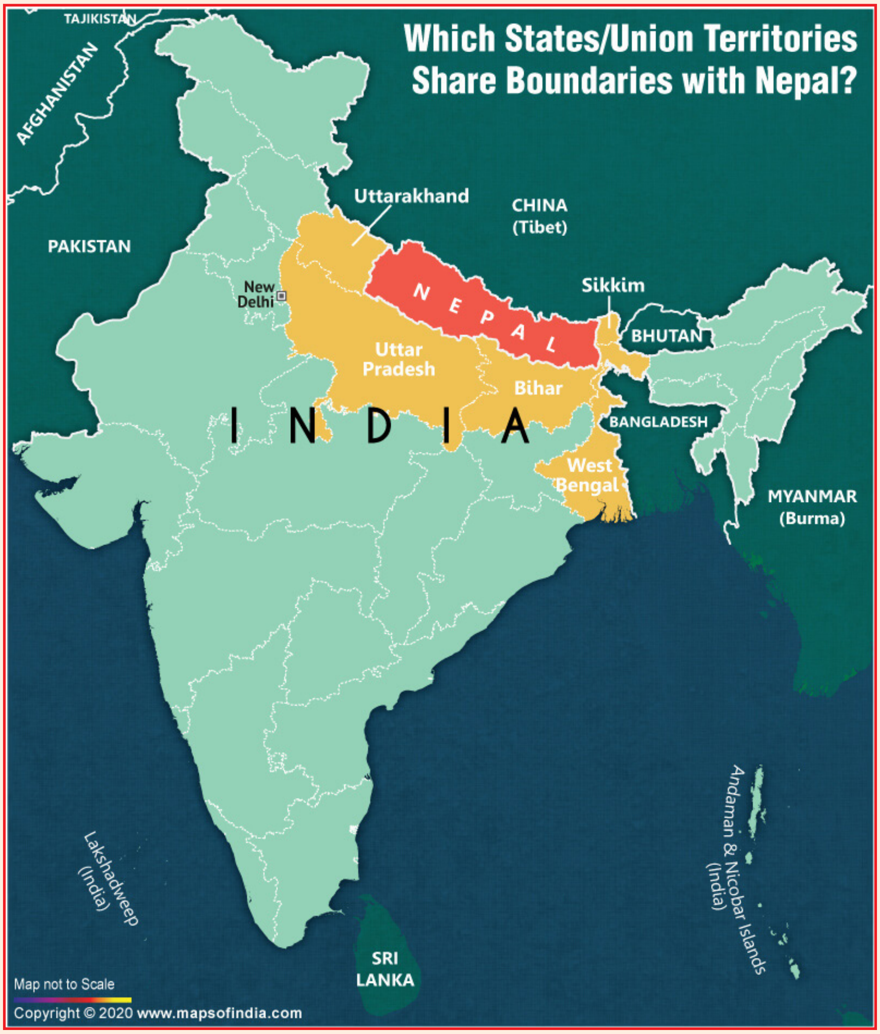

✦ ✦ ✦ ✦

दृष्टि आईएएस के अन्य प्रोग्राम से जुड़ें
UPSC मेन्स टेस्ट सीरीज़ 2025 SCAN ME
UPSC क्लासरूम कोर्सेस SCAN ME
IAS करेंट अफेयर्स मॉड्यूल कोर्स SCAN ME
दृष्टि लर्निंग ऐप SCAN ME